

## प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 34]

नई दिल्ली, गतिकार, अगस्त 20, 1994/ब्रावण 29, 1916

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 20, 1994/SRAVANA 29, 1916

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप म रका का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

মান II—ন্তুতন্ত 3—রাপ-শুতর (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

भारत सरकार के मंत्रानय (रक्षा मंत्रानय को छोड़कर) भीर केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा विधि के श्रन्तर्गत बनाए भीर जारी किये गए साधारण सांविधिक नियन (िन में साधारण प्रयाद के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general Character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)

विधि, न्याय तथा कमानी कार्य संवालय

(कम्पना कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1994

सा. का. नि. 406--भारत सरकार, कम्पनी अधितियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रवन्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, विस्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रणासन विभाग) दिनांक 4 अक्तूबर, 1957 की अधिस्थना संख्या सा. का. नि 3216 (जिसे इसके बाद अधिस्वा कहा गया है) में छांशिक उपरान्तर करते हुए भारत सरकार ()एतदहारा यह निद्देश देती है कि मैसर्स बैक्टन डिक्तिसन एशिया लि. (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनो कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनो होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अनेक्ष्ण जैसी कि वे किसा विदर्शी कम्पनी होने पर उक्त धारा उपन्तिरत

की गई हैं, निम्मालिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुए लागु होगी, अर्थान :---

यदि कम्पनी 30-9-93 को वित्तीय वर्षों को बावत अपने भारतीय व्यापार लेकाओं के संबंध में भारत में समुनित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्निलिखित को तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खड़ (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा:—

(i) भारतीय साखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भगतानों का वियरण पत्न जिमका प्रमाणीकरण (i) प्रधितियम की धारा 592 को उपधारा (i) के खंड (घ) के भ्रन्तर्गत आदेशिका की मेंबा स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसो व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत मासप्राप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।

- (ii) उपर्युक्त मद (i) में विणित प्रत्रिया में यथा निर्दिष्ट ६ग से प्रमाणित भारत में कम्पर्ना की परिसम्पत्तियों तथा देवताओं का विवरण, तथा
- (iii) उपर्युक्त मद (i) में विशित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उस श्राशय का प्रमाण पत्न कि कम्पनी ने 30-9-93 को समाप्त वर्षों के वौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया ।

[संख्या - 50/3/94 - सी. एल. 3] धर्म पाल, ध्रवर सचिव

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 22nd July, 1994

G.S.R. 406.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Government hereby direct that in case of M|s. Becton Dickinson Asia Limited (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely:—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-Section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 30-9-1993 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate:

- (i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of subsection (1) of Section 592 of the Act and (2) a Chartered Accountant practising in India.
- (ii) A statement of the company's assets and liabilities in India certificd in the manner as indicated in item (i) above; and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 30-9-1993.

[No. 50|3|94-CL. III] DHARAM PAL, Under Secy.

(न्याय विभाग)

नई दिल्ली, १ श्रगस्त. 1994

सा. का. नि. - 407 भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में राष्ट्रपति एतद्द्वारा निम्निलिखन आदेश करते हैं, भ्रथात :---

कि उड़ीसा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री कन्हैयालाल ईसराणी जिन्हें मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में स्थानान्तरित किया गया है उड़ीसा उच्च न्यायालय के न्याया-धोश के रूप में श्रपनी सेवा अवधि के दौरान अपने बेतन के श्रांतिरिक्त 800/- रु. (केवल श्राठ सौ रुपए) प्रति माह की दर से प्रतिपुरक भत्ता प्रास्त करने के हकदार होंगे।

> [सं.के. 11017/3/94-यू.एस. II] श्रीमति वीना ब्रह्मा, निदेशक (त्याय)

(Department of Justice)

New Delhi, the 1st August, 1994

G.S.R. 407—In pursuanct of Clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely:

That Shri Justice Kanhaiya Lal Issrani, Judge of the Orissa High Court, who has been transferred from the Madhya Pradesh High Court, shall be entitled to receive in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his service as judge of the Orissa High Ciurt.

[No. K. 11017|3]94—US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, । ग्रगस्त, 1994

सा. का. नि. — 108 भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में राष्ट्रपति एनदद्वारा निम्नलिखित अिंग करने हैं अर्थात:—

कि गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति श्री विनय कृष्ण खन्ना जिन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय से स्थाना-न्तरित किया गया है गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्याय-मूर्ति के रूप में प्रपनी मेंवा श्रवधि के दौरान श्रपने बेतन के अतिरिक्त 900/- इ. (केबल नौ मौ इपए) प्रति माह की दर में प्रतिपुरक भरता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

> सिं. के. 11017/3/94 - यू एस-II] श्रीमती वीना ब्रहमा, निदेशक (न्याय)

New Delhi, the 1st August, 1994

G.S.R. 408.—In pursuance of Clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely:

That Shrl Justice Viney Krishna Khanna, Chief Justice of the Gauhati High Court, who has been transferred from the Allahabad High Court, shall be entitled to receive in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 900 (Rupees nine hundred only) per mensem for the period of his service as Chief Justice of the Gauhati High Court

[No. K-11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice) नई दिल्ली, 1 भ्रगस्त, 1994

मा. का. नि. 409—भारत के संविधान के धनुब्छेद 222 के खंड (2) के धनसरण में राष्ट्रपति एतदद्वारा निम्नलिखित स्रादेण करते हैं श्रथति :---

कि पटना उच्च न्यायासय के न्यायाधीण न्यायमूर्ति सर्वे श्री शान्तन् कुमार मुकर्जी, बनवारी लाल यादव, जगदीण नारायण दुवे और स्वदेश कुमार होमचौधरी जिन्हें कमणः इलाहाबाद तथा ग्वाहाटी उच्च न्यायालयों सें स्थानान्तरित किया गया है पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीण के रूप में अपनो सेवा श्रवाध के दौरान श्रपने वेतन के श्रतिरिक्त 800/- रु. (केवल श्राठ सौ रुपए) प्रति माह की दर से प्रतिपूरक भत्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

> [स.के. 11017/3/94-यूएस 11] श्रीमती बीना बहुमा, निदेशक (स्थाय)

New Delhi, the 1st August, 1994

G.S.R. 409.—In pursuance of Clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely:—.

That S|Shri Justices Santanu Kumar Mookerji, Banwari Lal Yaday, Jagdish Narayan Dubey and Swadesh Kumar Homehaudhuri, Judges of the Patna High Court, who have been transferred from the Allahabad and Gauhati High Courts respectively, shall be entitled to receive in addition to their salaries, a compensatory allowance at the rate of Rs, 800 (Rupees eight hundred only) each per mensem for the period of their services as judges of the Patna High Court.

[No. K-11017|3|94-US-11]

SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नर्ड दिल्ली, 1 भ्रगस्त, 1994

सा. का. नि. 410—भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में राष्ट्रपति एतदब्रारा निम्नलिखित आवेश करते हैं श्रर्थात् :---

कि न्यायमूर्ति श्री स्विन्द्र सिंह सोहो, जिन्हे इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति के रूप में नियुक्त किया गया है इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति के रूप में श्रपनी सेवा श्रवधि के दौरान श्रपन वेतन के श्रातिरिक्त 900/-- रु. (केवल नौ सौ रुपए) प्रति माह की दर से प्रति-पुरक भत्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

[संख्या के. 11017/3/94 - यू एस. II] श्रीमती बीना ब्रह्मा, निदेशक (स्याय)

New Delhi, the 1st August, 1994

G.S.R. 410.—In pursuance of Clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely

That Shri Justice Savinder Singh Sodhi, who has been appointed as Chief Justice of the Allahabad High Court, shall be entitled to receive in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 909 (Rupees nine

hundred only) per mensem for the period of his service as Chief Justice of the Allahabad High Court.

> [No. K-11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्लीं, 1 ग्रगस्त, 1994

सा. का. नि. 411.—भारत के संविधान के श्रत्क्छेद 222 के खंड (2) के श्रनुसरण में राष्ट्रपति एतत्वारा ि निलिखित श्रादेश करते हैं, ग्रथित :—

कि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीण न्यायमूर्ति सर्वे श्री अण्मान सिंह, महेण्वरी प्रसाद सिंह, निष्णु सदाणिय कोकजे और प्रकाण प्रभाकर नावलेकर जिन्हें क्रमणः इलाहाबाद तथा मध्य प्रदेण उच्च न्यायालयों में स्थानान्तरित किया गया है राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीण के रूप में ग्रपनी सेवा श्रविश्व के दौरान श्रपने वेतन के श्रतिरिक्त 800/- क. (केवल स्राट सी क्षण) प्रति माह की दर से प्रतिपूरक भन्ता प्राप्त करने के हकतार होंगे।

[सं. के. 11017/3/94 - यू एस - II] श्रीमती बीना बहुमा, निदेशक (स्याय)

New Delhi, the 1st August, 1994

G.S.R. 411.—In pursuance of Clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely:—

That S|Shri Justice Anshuman Singh Maheshwari Prasad Singh, Vishou Sadashiv Kokje and Prakash Prabhakar Naolekar, Judges of the Rajasthan High Court, who have been transferred from the Allahabad and Madhva Pradesh High Courts respectively, shall be entitled to receive in addition to their salaries, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupeos eight hundred only) each per mensem for the period of their services as judges of the Rajasthan High Court.

[No. K-11017]3]94-US-II1 SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई पिल्ली, 1 स्रगस्त, 1994

सा. का. नि. 412---भारत के संविधान के श्रनुच्छेद 222 के खंड (2) के श्रनुसरण में राष्ट्रपति एनदहारा निम्नलिखिक श्रादेश करते हैं, ग्रथीत् :---

कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीण न्यायम्ति सर्व श्री उदय प्रताप सिंह, विनोद कुमार राप, श्रांजित कुमार सेनगुप्त, परिलोप कुमार मुखर्जी, पदम नाभ नाग, भागर चन्द जैन, कुग्णबद्दन गोरधनदाम णाह और णरत चन्द्र महापाल जिन्हे कमणः पटना, कलकत्ता, दिल्ली, गुजरात तथा उड़ीमा उच्च न्यायालयां से स्थानान्तरित किया गया है इलाहाबाव उच्च न्यायालयां से स्थानान्तरित किया गया है इलाहाबाव उच्च न्यायालय के न्यायाधीण के रूप में प्रपत्ती नेवा अविधि के दौरान अपने बेतन के अतिरिक्त 800/- रु. (केवल ग्राट सो रुपए) प्रति माह को दर से प्रतिपूरक भन्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

[सं. के. 11017/3/94 - यू एम II] श्रीमती बीना श्रष्टमा, निदेशक (न्याय) New Delhi, the 1st August, 1994

G S.R. 412.—In pursuance of Clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely:—

That S|Shri Justice Udai Pratap Singh, Binod Kumar Roy, Ajit Kumar Sengupta, Paritosh Kumar Mukherjee, Padam Nabh Nag, Sagar Chand Jain, Krishnavadan Gordhandas and Sarat Chandra Mohapatra, Judges of the Allahabad High Court, who have been transferred from the Patna, Calcutta, Delhi, Gujarat and Orissa High Courts respectively, shall be entitled to receive in addition to their salaries, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees cight hundred only) each per mensem for the period of their services as Judges of the Allahabad High Court.

[No. K-11017]3!94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice) नई दिल्ली, 1 ग्रगस्त, 1994

सा.का.नि. 413.—भारत के संविधान के श्रनुच्छेद 222 के खंड(2) के श्रनुसरण में राष्ट्रपति एतद्द्वारा निम्नलिखित श्रादेश करते हैं श्रर्थात् :---

कि दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीण न्यायमृति श्री देवेन्द्र गुप्ता जिन्हें हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय से स्थानान्तरित किया गया है दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधिश के रूप में श्रपनी नेवा श्रवधि के दौरान श्रपने दोन के श्रातिरिक्त 800/- रु. (केवल श्राठ मी रुपए) प्रति माह की दर से प्रतिपूरक भना श्राप्त करने के हकदार होगे।

[सं. के-11017/3/94-यृ.एस.-]] श्रीमती बीना ब्रह्मा, निदेशक (न्याय)

New Delhi, the 1st August, 1994

G.S.R. 413.—In pursuance of Clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namery:

That Shri Justice Devinder Gupta, Judge of the Delhi High Court, who has been transferred from the Himachal Pradesh High Court, shall be entitled to receive in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his rervice as a judge of the Delhi High Court.

[No. K-11017|3|94-US-1I] SMT. VEENA BKAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 1 अनःत, 1994

सा.का.नि. 414.—भारते के संविधान के ब्रनुच्छेद 222 के खंड (2) के ब्रनुसरण में राष्ट्रपति एतदहारा निम्नलिखित ब्रादेश करते हैं ब्रर्थातु:——

कि कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीण न्यायमूर्ति सर्वश्री सत्यक्षत सिन्हा, जगदीण कुमार मायुर और श्री रंग मिश्र जिन्हें कमशः पटना और इलाहाबाद उच्च न्यायालयों से स्थानान्तरित किया गया है कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में श्रपनी सेवा श्रवधि के दौरान श्रपने वेतन के श्रतिरिक्त 800/- (केवल श्राठ सो रुपण्) प्रति माह की दर से प्रतिपूरक भन्ना प्राप्त करने के हकदार होंगे।

[सं. के.-11017/3/94-यूएस-II] श्रीमती बीना ब्रह्मा,निदेणक (न्याय) New Delbi, the 1st August, 1994

G.S.R. 414.—In pursuance of Chanse (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely:

That S/Shri Justices Satya Brata Sinha, Jagdish Kumar Mathur and Shice Rang Misra, Judges of the Calcutta High Court who have been transferred from the Patna and Allahabad High Courts respectively, shall be entitled to receive in addition to their salaries, a compensatory allowance at the rate of Rs, 800 (Rupces eight hundred only) each per mensum for the period of their services as judges of the Calcutta High Court.

[No. K-11017|3|94-US-II] SMT. VEENA BKAHMA, Director (Justice)

नई िल , 1 अवस्त, 1994

सा.का.नि.४ 5.---भारत के सविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में राष्ट्रपति एतदाव्वारा निम्नलिखित आदेश करने है अर्थात :---

कि गुवाहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री वीरेन्द्र दत्त ज्ञानो जिन्हों मध्य प्रदेण उच्च न्यायालय से स्थानान्तरित किया गया है गुबाहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीण के रूप में श्रपनी सेवा श्रवधि के दौरान श्रपने जेतन के अतिरिक्त 800/- ६. (केवल श्राठ सौ ६५ए) प्रति माह की दर से प्रतिपूरक भत्ता प्राप्त करने के हकादर हांगे।

> [सं. के.-11017/3/94-यू एस-II] श्रीमती वीना ब्रह्मा,निदेशक (न्याय)

New Delhi, the 1st August, 1994

G.S.R. 415.—In pursuance of Clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the folloging order damely

That Shri Justice Virendra Dutta Gyani, Judge of the Garhati High Court, who has been transferred from the Madhya Pradesh High Court, shall be entitled to receive in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his service as a judge of the Gauhati High Court.

[No. K-11017[3]94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 1 अगस्त; 1994

ना.का.ि 1.2.—भारत के संविधान के ध्रनुच्छेद 222 के खंड (2) के ध्रनुसरण में राष्ट्रपति एनदढ़ारा निम्नलिखित आदेण करते हैं ध्रणीतृ:—

कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सर्वश्री देवेन्द्र पाल सिंह वीहान, ग्रदेंदु शेखर तिपाठी, इम्मानित पांष्ट्रगा राव, रमेशचन्द्र धनेश्वरभाई व्यास और नृनिमणि प्रसाद सिंह जिन्हें अमण: इलाहाबाद, ग्रान्ध्र प्रदेश, गुजरात एवं पटना उच्च न्यायालयों से स्थानान्तरित किया गया है मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में श्रपनी सेवा ग्रवधि के दौरान श्रपने वेतन के श्रतिरिक्त 800/- रु.

(केबल शाठ सौ रुपए) प्रति माह की दर से प्रतिपूरक भत्ता प्राप्त करने के हकदार होगे।

[सं. के-11017/394-यू एस- $\mathbf{\Pi}$ ] श्रीमती बीना श्रह्मा, निदेशक ((न्याय)

# New Delhi, the 1st August, 1994

G.S.R. 416.—In pursuance of Clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely:—

That S<sub>1</sub>Shri Justice Devendra Pal Singh Chathan, Ardhendu Shekhar Tripathi, Immaneni Pandu Ranga Rao, Rameshchandra Dhaneshwarbhai Vyas and Nunamani Prasad Singh, Judges of the Madhya Pradesh High Court, who have been transferred from the Allahabad, Andhra Pradesh, Gujara and Patna High Courts respectively, shall be entitled to receive in addition to their salaries, a compensatory ellowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) each per mensem for the pereiod of their services as judges of the Madhya Pradesh High Court.

[No. K-11017]3]94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 1 अधस्त, 1994

मा.का.नि. 417 भारत के संविधान के अनुच्छद 222 के खंड (2) के अनुसरण में राष्ट्रपति एतदहारा निम्नलिखित आदेण करते है अर्थात्—

कि पंजाब एवं हरियाणा उच्च त्यायालय के त्यायाधीश त्यायमूर्ति श्री गत्मा सिंह सिंधवी जिन्हें राजस्थान उच्च त्यायालय से स्थानान्तरित किया गया है पंजाब एवं हरियाणा उच्च त्यायालय के त्यायाधीश के रूप में अपनी सेवा अविधि के वौरान अवने वेतन के अतिरिक्त 800/- रु. (केवल आठ सौ रूपए) प्रति माह की दर से प्रतिपूरक भक्ता प्राप्त करने के हक्कदार के होंगे।

[सं. के-11017/3/94-यूग्स-]] श्रीमती वीना ब्रह्मा, निदेशक (न्याय)

New Delhi, the 1st August, 1994

G.S.R. 417—In pursuance of Clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Ganpat Singh Singhvi, Judge of the Punjab and Haryana High Court, who has been transferred from the Rajastlem High Court, shall be entitled to receive in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupces eight hundred only) per mensem for the period of his service as judge of the Punjab and Haryana High Court.

[No. K-11017|3|94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Juntice)

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1994

सा.का.नि.418.--भारत के संविधान के प्रनुच्छेद 222 के खड़ (2) के प्रनुसरण में राष्ट्रपति एतदहारा निम्नलिखित प्रादेश करते हैं प्रथित्:--

कि कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सर्वश्री हरीनाथ तिलहरी, जास्ति ईश्वर प्रसाद, मैंकल फैनसिस भलडाना, परमेश्वरैंगर कुष्णमूर्ति, कोददूर सन्तान कृष्ण भवनवन्मलम और गोपी चन्द भारका जिन्हें क्रमणः इलाहाबाद, श्रान्ध्र प्रदेश, बम्बई, केरल, महास तथा पटना उच्च न्यायालयों से स्थानान्तरित किया गथा है अनीटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीण के रूप में श्रपनी गेवा अविधि के दौरान अपने बेतन के अनिरिक्ष 800/- ह. (फेबल ग्राट सौ रुपए) प्रति माह की दर से प्रतिपूरक भना प्राप्त करने के हकदार होंगे।

[सं. के-11017/3/94-यूएम-]1] श्रामती वीना ब्रह्मा, निदेशक (न्याय)

New Delhi, the 1st August, 1994

GSR, 418.—In pursuance of Clause (2) of Article 222. of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely:—

That S|Shri Justice Hari Nath Tilhari, Jasthi Eswara Prasad, Mischael Francis Saldanha, Parameswara Iyer Krishnamoorthy Kettur Santanakrishna Bakthavatsalam and Gopi Chand Bharuka, Judges of the Karnataka High Court, who have been transferred from the Allahabad, Andhra Pradesh, Bombay, Kerala, Madras and Patna High Courts respectively, shall be entitled to receive in addition to their salaries, a compensatory allowance at the rate of £8s. 800 (Rupees eight hundred only) each per measem for the period of their services as judges of the Karnataka High Court.

[No. K-11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई विल्ली, 1 ग्रगस्त, 1994

सा.का.नि. 419.—भारत के संविधान के श्रनुच्छेद 222 के खंड (2) के श्रनुसरण में राष्ट्रपति एतदहारानिम्न-लिखिन ग्रादेण करते हैं, ग्रथनि :—

कि केरल उच्च न्यायालय के न्यायाधीण न्यायमूर्ति मर्वश्री जिलाम विनायक कामत और दाइल जोगी जगन्नाथ राजु जिन्हें कमणः वम्बई एवं धान्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालयों से स्थानान्तरित किया गया है केरल उच्च न्यायालय के न्यायाधीण के रूप में ध्रपनी सेवा ध्रवधि के दौरान ध्रपने वेतन के अतिरिक्त 800 ह. (केवल ध्राठ सौ रुपए) प्रति माह की दर से प्रतिपुनक भत्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

[सं. के.-11017/3/94-पू.एस-II] श्रीमती बीना ब्रह्मा, निदेशक (न्याय)

New Delhi, the 1st August, 1994

G.S.R 419.—In pursuance of Clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely:—

That S'Shri Justice Vilas Vinayak Kamat and Datla Jogi Jugannadha Raju, Judges of the Kerala High Court who have been transferred from the Bombay and Andhra Pradesh High Courts respectively, shall be entitled to receive in addition to their salaries, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) each per mensem, for the period of their services as judges of the Kerala High Court.

[No. K-11017]3[94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

# नई दिल्ली, 1 भ्रगस्त, 1994

सा.का.नि. 420 .--भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में राष्ट्रपति एतदङ्कारा निम्न-निखित आदेण करते हैं, अर्थातु :--

कि मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सर्वश्री शिवराज् विरुपण्ण पाटील, चिक्केगौड शिवष्प, गुलाश चन्द्र गुप्ता जिन्हें कमशः कर्नाटक एवं मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय से स्थानान्तरित किया गया है मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीण के रूप में श्रपनी सेवा अवधि के दौरान अपने वेतन के अतिरिक्त 800 रु. (केत्रल आठ सौ रुपए) प्रति माह की दर से प्रतिपूरक भक्ता प्राप्त करने के हकदार होगे।

> [सं. के. 11017/3/94-यू एस-II] श्रीमती बीना ब्रहमा, निदेशक (न्याय)

### New Delhi, the 1st August, 1994

G.S.R. 420.—In pursuance of Clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely

That S|Shri Justices Shivaraj Virupanna Patil, Chikkeguwada Shivappa and Gulab Chandra Gupta, Judges of the Madras High Court, who have been transferred from the Karnataka and Madhya Pradesh High Courts respectively, shall be entitled to receive in addition to their salaries, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) each per mensem for the period of their services as judges of the Madras High Court.

[No. K-11017/3]94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

### नई दिल्ली, 1 भ्रगस्त, 1994

सा.का.नि. 421 .--भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में राष्ट्रपति एतदहारा निम्न-लिखित आदेश करते हैं, अर्थात् :---

कि बम्बई उच्च न्यायालय के न्यायाधीण न्यायम्ति सर्वश्री विजय बहुगुणा, विनुभाई हीरा भाई भैराविया, लक्षमणन मनोहरन और गुरबक्ष राय मजीठिया जिन्हें कमणः इलाहाबाद केरल, पंजाब एवं हरियाणा तथा गुजरात उच्च न्यायालयों से म्यानान्तरित किया गया है बम्बई उच्च न्यायालय के न्यायाधीण के रूप में अपनी संवा अवधि के दौरान अपने बेनन के अतिरिक्त 800 रु. (केवल आठ सौ रुपए) प्रति माह की दर से प्रतिपूरक भत्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

[सं. के-11017/3/94-यू एस] श्रीमसी बीना ब्रह्मा, निदेशक (न्याय)

New Delhi, the 1st August, 1994

G.S.R. 421.—In pursuance of Clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely:—

That S[Shri Justices Vijay Bahuguna, Lekshmanan Manoharan, Gurbax Rai Majithia and Vinubhai Hirabhal Bhairavia,

Judges of the Bolmbay High Court, who have been transferred from the Allahabad, Kerala, Punjab & Haryana and Gujarat High Courts respectively, shall be entitled to receive in addition to their salaries, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight bundred only) each per menter for the period of their services as Judges of the Bombay High Court.

[No. K-11017]3|94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice) नई दिल्ली, 1 ग्रगस्त, 1994

सा.का.सि.422 .—भारत के संविधान के अन् च्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में राष्ट्रपति एतद्हारा निम्न-लिखित भादेश करते हैं, भ्रथीत् :—

कि गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायम्ति सर्वश्री सुशान्त चाटाज्जी, राजेण बालिया और मधराज कल्ला जिन्हें ऋमशः कलकत्ता तथा राजस्थान उच्च न्यायालयों से स्थानान्तरित किया गया है गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवा अवधि के दौरान प्राप्ते बेतन के अतिरिक्त 800 र. (केवल श्राठ सी रुपए) प्रति माह की दर से प्रतिपुरक भन्ना प्राप्त करने के हकदार होंगे।

[सं. के-11017/3/94-यू एस-II] श्रीमती बीना ब्रह्मा, निवेशक (न्याय)

### New Delhi, the 1st August, 1994

G S.R. 422.—In pursuance of Clause (2) of Article 222 of the Constitution of India, the President hereby makes the following order namely:—

That S|Shri Justices Susanta Chatterji, Rajesh Balia and Magh Raj Calla, Judges of the Gujarat High Court, who have been transferred from the Calcutta and Rajasthan High Courts respectively, shall be entitled to receive in addition to their salaries, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupces eight hundred only) each per mensem for the period of their services as judges of the Gujarat High Court.

[No. K-11017|3]94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

### गृह मंत्रालय

(राजभाषा विभाग)

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1994

मा. का. नि. 423 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुक्छेद 318 के खण्ड (ख) के साथ पठित भनु च्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त मिनत्यों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय मचिवालय राजभाषा मेवा (समृह "ग" प्रय) नियम, 1981 का और संशोधन करने के लिए निम्न लिखित नियम बनाते हैं, प्रशीत्:—

 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय सचिव वालय राजभाषा सेवा (समृह "ग" पद) संशोधन नियम,
 1994 है।

- (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगें।
- 2. केन्द्रीय मचिवालय राजभाषा मेवा (समृह "ग" । १द ) नियम, 1981 में, ----
  - (1) नियम 8 के खण्ड (ख) में, ---
    - (क) उपखण्ड (1) में, "75 प्रतिशत रिक्तियां" शक्दों और अंकों के स्थान पर "सभी रिक्तियां" रखें।
    - (ख) उपखण्ड (3) और (4) का लोप किया जायेगा।
  - (2) अनुसूची 2 के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जाएगी, प्रश्रीत्:—

# धन्सूची 2

(नियम 8 देखिए)

श्रेणी 5 में नीधी भर्ती के लिए ग्रीक्षक ग्रर्हताएं और ग्राय सीमा

- (क) ग्रैक्षिक श्रहंताएं :— उपाधि स्तर पर अनिवार्य और वैकल्पिक विषय के रूप में हिन्दी/अंग्रेजी महित अंग्रेजी/हिन्दी में मास्टर की उपाधि, या मुख्य विषय के रूप में हिन्दी और अंग्रेजी महित स्नातक की उपाधि (जिसके अंतर्गत अनि-वार्य और वैकल्पिक विषय भी हैं)।
- (ख) श्रायु मीमा: 28 वर्ष में अनिधिक (केन्द्रीय सरकार के कर्मवारियों के लिए चालीम वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।

टिप्पण :---श्रायु सीमा श्रवधारित करने के लिए निर्णायक नारीख निम्नानुसार होगी :---

- (1) उस वर्ष की जनवरी का प्रथम दिन जिसमें परीक्षा नी जाती है, यदि परीक्षा वर्ष के पूर्वाद्ध में ली जाती है, और
- (2) उस वर्ष की जुलाई के प्रथम दिन जिसमें परीक्षा ली जाती है, यदि परीक्षा वर्ष के उतराई में ली जाती है।
- (3) अनुसूची 3 में, —
- (क) शीर्षक के स्थान पर निम्नलिखित शीर्षक रखा जाएगा, प्रथति :—

"मेवा की श्रेणी 5 में सीधी भर्ती"

(ख) पैरा 1 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, प्रथात्:—

"1. परीक्षा ग्रायोजित करना :—-खूली प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा और मीमित विभागीय परीक्षा द्वारा श्रेणी 5 (कनिष्ठ अनुवादक) में नियुक्ति के लिए एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ऐसे समय और ऐसे स्थानों पर, जिन्हें इस प्रयोजन के लिए कर्मचारी चयन आयोग द्वारा जारो की गर्ड सूचना में बिहित किया जाए, श्रायोजित की जाएगी प्रत्येक ऐसी सूचना में, जब संभव हो, परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या की घोषणा की जाएंगी।"

> [मं. 1/1/94—रा. भा. ( से. )] एम. डी. कबटियाल, अवर मिचव

टिप्पण :—मूल नियम सा. का. नि. सं. 842, नारीख 19-9-1981 द्वारा प्रकाशित किए गए थे। नत्पश्चान् उनका सा. का. नि. सं. 193, तारीख 29-1-1983, सा. का. नि. सं. 129, नारीख 12-2-1983, सा. का. नि. सं. 325, नारीख 23-4-1983, सा. का. नि. सं. 1108, नारीख 27-10-1984, सा. का. नि. सं. 156, तारीख 1-3-1986, सा. का. नि. सं. 232, तारीख 21-4-1990, सा. का. नि. सं. 641, तारीख 20-10-1990 और सा. का. नि. सं. 401 तारीख 14-8-1993 द्वारा संशोधन किया गया।

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Official Language) New Delhi, the 5th July, 1994

G.S.R. 423.—In exercise of powers conferred by the proviso to article 309, read with clause (b) of article 318 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Secretariat Official Language Service (Group 'C' Posts) Rules, 1981, namely:—

- (1) These rules may be called the Central Secretariat Official I anguage Service (Group 'C' Posts) Amendment Rules, 1994.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Central Secretariat Official Language Service (Group 'C' Posts) Rules, 1981,—
  - (a) in rule 8, in clause (b),---
    - (a) in sub-clause (i) for the figures and words "75 per cent of the vacancies", substitute "All the vacancies".
    - (b) sub-clauses (iii) and (iv) shall be omitted.
  - (2) for Schedule II the following Schedule shall be substituted, namely:—

### "SCHEDULE II

### (See rule 8)

Educational qualifications and age limit for direct recruitment to Grade V

- (a) Educational qualifications.—Master's degree in English/Hindi with Hindi/English as a compulsory and elective subject at degree level; or
- Bachelor's degree with Hindi and English as main subjects (which includes the term compulsory and elective).

-----

- (b) Ase limit.—Not exceeding 28 years (Relaxable upto forty years for Central Government employees).
- Note—The crucial date for determining the age limit shall be as under:—
  - (1) 1st day of January of the year in which the examination is held, if the examination is held in the first half of the year; and
  - (ii) 1st day of July of the year in which the examination is held, if the examination is held in the second half of the year."
  - (3) to Schedule III,-
    - (a) for the heading the following heading shall be substituted, namely:—
    - "Direct recruitment to Grade V of the Service"

- (b) for para 1, the following para shall be substituted, namely:—
- "1. Holding of examination.—A combined competitive examination for appointment to Grade V (Junior Translator) by open competitive examination as well as by limited Departmental examination shall be held at such time and at such places as may be prescribed in the Notice issued by the Staff Selection Commission for the purpose. Every such Notice will, when possible, announce the number of vacancies to be filled on the result of the examination."

[No. 1/1/94-OL (S)] S. D. KABTIYAL, Under Secy.

Note—The principal rules were published vide G.S.R. No. 842 dated 19-9-1981 subsequently amended vide G.S.. Nos. 93 dated 29 1-1983, 129 dated 12-2-1983 325 dated 23-4-1983, 1108 dated 27-10-1984, 156 dated 1-3-1986, 232 dated 21-4-1990, 641 dated 20-10-1990 and 401 dated 14-8-1993.

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1994

- सा का नि. 424.—अस्पिन, संविधान के अनुक्किद 300 के परन्तुक द्वारा प्रश्ता शक्तियों का असेस तरने हुए, जोर गृह मंद्रानय, राम्भाया विभाग, केन्द्रीय हिन्दी प्रणिक्षण संस्थान (प्रणासनिक अधिकारी) भर्नी नियम, 1991 को उन बानों के मित्राय अधिकांत करने हुए, जिन्हें नेने अधिकार में पहले किया गया है या करने का लेख िया गया है जुह मंद्रानय राजभाया विभाग के असिव हिन्दी प्रणिक्षण संस्थान में ज्यानीक अधिकारी के पद पर मर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निविज्ञान स्थान बानने हैं अर्थान --
- ा मंतिर तर और प्रारम्य ( ) इन निर्मो का संक्षिण नाम मृह मर्जानय राजभाषा विभाग, केन्द्रीन हिस्सी प्रणित्रण संस्थान (प्रणामनिक श्राधिकानि) भर्ती नियम ১९९४ है।
  - (८) कराजपक्ष न प्रजापन के सार्रक की प्रथत होंगें।
- ्र पद बंहाा, वर्गीसस्य और विकासानः उन्त पद की संख्या उसका वर्गीकरण और उसका वैजनमान वह होगा जो इन नियमों से उपावक अनुमुची के स्वरंभ (2) से स्वरंभ (1) से त्रिनिद्दिग्ट हैं।
- 3 मर्ती की पदाति, प्राष्-वंशा और अन्य महंताएं प्रादि: ५४न पर भर्ती की पद्धति, प्राशु-सीमा, ग्रह्गाएं और उभमे संबंधित प्रत्य बातें ने होंगी जो उक्त प्रमुखी के राम्स (1) से भ्यम्स (14) में विनिद्धिः है।
  - 4. निर्श्तेमाए वह व्यक्ति-
  - (क) । असने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति था जिसकी पत्नी जावित है, विवाह किया है, या
  - (स्प) फिलन क्रपंत क्वांत यह अपनी पत्नी के जीवित क्षेत्र हुए कि ते व्यक्ति से विवाह फिया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पाल नहीं होगा :

- परस्तु श्रद्ध केली। सरकार का यह समाधान से लाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य गक्षकार को लाए स्वीम विधि के मधीन अनुभेष है और ऐसा करने के लिए अन्य अधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्त से छूट दे सकेशी।
- 5. शिक्षित करत की भवित अहा केदीय सरकार की सह राज है कि ऐसा करता पाव या। या समिति है, बहा वह उनके लिए जो कारण है उन्हें लिखबा करक तथा मंग नोक सेवा आसीम से पर मर्ग नरक, इन निवातों के बिसी उपका को किनी यम या अवर्ग के बाक्तवी का वावत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेमी।
- 6 ध्वार्वात्तः इन नियमां को कोश्वार, ऐसे प्रारक्षण, श्वानुनीमा में छूट ओर भ्रम्य रिसयती पर प्रमाय नहीं आवर्षा, जिससा के दीय सरकार द्वारा इस संबंध में मस्य - ससय पर निकाल गए प्रातेणों के प्रमुसार प्रवृक्षचित जातियों, प्रवृत्वित जनगरियों, मृश्कृत नैनिकों और अस्य क्रिये भ्रयर्गेक व्यक्तियों के किए उपयंग करना प्रपेक्षिण है।

•			<b>अ</b> नुर	<del>पूर्ची</del> ।		
पद का न(म	पद्मां की संत्र्या	बर्गाक्सर¤ष्	चेतकसा <del>त</del>	चपन पद प्रयवा श्रवशन पट	ंधि भार्ते किए साते वाले व्यक्तिया के लिए बागू नीमा	सेता में जोरेगए वर्ष का फायदा केरीय मिपल सेवा (पेंगग) नियम, 1972 के नियम ३० के प्रधीन अनुतेय है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
प्रग≀सनिक ध्रधिकारी	1* (1901) *कार्यभार के म्याधार गर परि श्वत किया जर सकता है।	माधारण केन्द्रीय मेवा समृह ''क्'' राजपित सनुसचिद्यीय	3000-100- 3500-125- 4500-₹.	लाग् नहीं होता	भागृ नहीं होता	लागूनश्री होता

ोंं भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए पिहित अपु और शैक्षिक ग्रहीताएं प्रोन्नन व्यक्तियों की दणा में याग् होंगी या नहीं	परिवीक्षा की भविष सि कोई हो।
9	10
नागू नहीं होता	पुननियोजन पर <b>भूतपूर्व</b> सैनिकों के लिए <b>घो वर्ष</b> ।
12	
•	
(ii) जिन्होंने 2200-4000 रु. या	ममनु≂य केननमामः वाले पद्यों
1 '	गैर लेखा संबंधी मामलों का
सशस्त्र बल कामिकों के लिए प्रतिनियुक्ति पर स्थानास्तरण/पूर्वनियोजन सगस्त्र बल के ऐसे कामिको पर भी वर्ष की अवधि के भीतर सेवानियुक्त होने नारित किए जाने वाले हैं और जिनवे वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित अनुभव हो जाता है तो उन्हें उस तारीख सक स्वा जाएगा जिस तारीख से उन्हें समस्त है और उसके पण्वात उन्हें पुनर्नियोजन है। गिविल पदों के प्रतिनिर्वेश से तक पुनर्नियोजन। (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्त या किसी अन्य संगठन/विभाग में हम किसी अन्य काडर बाह्य पद पर साधारणतया नीन वर्ष से अधिक नह प्रतिनियुक्ति पर स्थानास्तरण द्वारा नियु सीमा आदेवन प्राप्त होने की अन्तिम त	विशार किया जाएगा जो एक ने बाले हैं या रिजर्व में स्थाना- पास प्रतिनिधुक्ति पर धामे है। ऐसे व्यक्तियों का व्यन प्रतिनिधुक्ति के निवंधनों पर बाले से निवंधनों पर बाले से निवंधनों पर बने रहने विया जा सकता प्रधिवाबिता की मायु मेंत के की स्थान से उसी निधुक्ति से ठीक पहले बारिस प्रतिनिधुक्ति की स्थान है। होगी)।  क्षित के लिए सम्बन्धन सायु- । सित के लिए सम्बन्धन सायु-
भन्ना वारत मं जात परिस्थानमा मं सर्घर किया जायगा।	तक सवाधामा संपरासक
14	
. मंघ लीक भेशा प्रायोग से परामर्श र	सन्धा सावण(क है।
	भाग और भीक्षिक प्रहंताएं प्रोन्नन व्यक्तियों की वणा में साम् हींनी या नहीं  प्रोन्ति प्रिति पृक्ति स्थानान्तरण द्वारा जिनसे प्रोन्ति पृक्ति प्रसानान्तरण मेन्त्रीय सरकार/राज्य सरकारों के प्रक्ष (का) (i) को नियमित प्राधार पर सर (ii) जिन्होंने 2200-4000 क. या पर पात्र वर्ष नियमित सेवा की हीं (iii) जिन्होंने 2200-3500 के या पर प्राट वर्ष नियमित सेवा की हीं (iii) जिन्होंने 2000-3500 के या पर प्राट वर्ष नियमित सेवा की हीं (खा) जिनके पास प्रशासन, स्थापन के प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/पूर्नियोजन सणस्त्र बल कार्मिकों के लिए प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/पूर्नियोजन सणस्त्र बल को ऐसे कारिकों पर भी वर्ष की अधि के भीतर सेवानियृक्त होने निरंत किए जाने वाले हैं और प्रवित्त की प्रवित प्रमुख हो अता है तो उन्हें उस तारीख सक स्था जाएगा जिस तारीख से उन्हें सास्ट है और उसके पण्यात उन्हें पुर्नियोजन है । गिविल पदों के प्रतिनियोजन है । गिविल पदों के प्रवित्त पर पर पर साधारणनया नीन वर्ष से अधिक नहीं प्रतिनियुक्त पर स्थानान्तरण ढारा नियुसी मा प्रायेवन प्राप्त होने की प्रनित्त तहीं होगी।

### Delhi, the 28th July, 1994

G.S.R. 424.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Ministry of Home Affairs, Department of Official Language, Central Hindi Training Institute (Administrative Officer) Recruitment Rules, 1991, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Administrative Officer in the Central Hindi Training Institute under the Departin the Central Hindi Training Institute under the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, ment of Official Language, namely :---

1 Short title and commencement.—(a) These rules may be called the Ministry of Home Affairs, Department of Official Language, Central Hindi Training Institute (Adminis-

trative Officer) Recruitment Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

- 2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns (2) to (4) of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Method of recruitment, age limit and other qualifications The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto, shall be as specified in columns (5) to (14) of the said Schedule.

- 4. Disqualifications-No person-
  - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
  - (b) who, have a spouse living has entered into contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule. of this rule.

- 5. Power o relax—Where the Central Government is of the opinion that it necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
- 6 Saving.—Nothing n these rules shall affect reservations, relaxation or age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Exservicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

### SCHEDULE

Name of the post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-settion post	
1	2	3	4	5	6
Administrative Office	er 1*(1994) *subject to varia- dependent on work- load.	General Central Service Group 'A' Gazetted, Ministerial.	Rs. 3000-100- 125-4500.	3500- Not applicable	Not applicable
Whether benefit of years of service adu under rule 30 of th Central Civil Servi (Pension) Rules, 19	nissible qualifications re e for direct recru	equired qualificat its. for direct	age & educational ions prescribed recruits will the case of es.	Period of probation, if any.	Method of recruitment: Whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods
7	8		9	10	11
Not applicable	Not applicable	Not appl	icable	Two years for ex- servicemen on re- employment.	By transfer on deputation/ Re-employment For Armed Forces Personnel
	- 1:				Transfer on deputation/re employment (for ex-ser vicemen).

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.

12

### Transfer on deputation

Officers under the Central/State Governments-

- (a) (i) holding analogous posts on regular basis; or
  - (ii) with 5 year's regular service in posts in the scale of Rs. 2200-4000 or equivalent; or
  - (iii) with 8 year's regular service in posts in the scale of Rs. 2000-3500 or equivalent and
- (b) having experience in administration, establishment and accounts matters.

For Armed Forces Personnel

Transfer on deputation/Re-employment (for ex-servicemen)

The Armed Forces Personnel due to retire or who are to be transferred to reserve within a period of one year and having the requisite experience as in the case of persons coming on deputation shall also be considered. Such persons would be given deputation terms upto the date on which they are due for release from the Armed Forces and thereafter, they may be continued on re-employment. (Re-employment upto the age of superannuation with reference to Civil posts).

(Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not to exceed three years.

The upper age limit for appointment by transfer on deputation shall be not exceeding 56 years as on the last date of receipt of tapplicapositions.

If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition. Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.

13

14

Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation of ex-servicemen)

1. Joint Secretary,

- Department of Official Language—Chairman

  2. Director/Deputy Secretary,
- Director/Deputy Secretary,
   Department of Official Language—Member
- Director/Deputy Secretary (Administration),
   Ministry of Home Affairs.—Member

Note:- The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the 'Union Public Service Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.

Consultation with the Union Public Service Commission necessary.

# मई दिल्ली, 4 अगस्त, 1994

सा. का. नि. 425---राष्ट्रपति, संविधन के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त गवितयों का प्रयोग करते हुए, पुनिश प्रनुसंधान और विकास स्पूरो (कास्टेबल) भर्ती नियम, 1975 का और संशोधन करने के लिए निम्निखिल नियम बनाते हैं, मर्भात् :---

- 1. (1) इन नियमों का सक्षिप्त नाम पुलिस धनुसंधान और जिकास म्यूरो (कस्टिबल) भर्ती (संशोधन) नियम, 1994 है।
- (2) ये राजपन्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2 पुलिस धनुसंधान और विकास ब्यूरो (कांस्टेबल) अर्ती नियम नियम, 1975 में की धनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित धनुसूची रखी जाएगी, धर्थान्

# मनुसूची

प्यकानाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	येशनमान	चयन पद प्रायवा श्रञ्ज्यान पद	सेवा में जोड़े गए वर्षों का ए।यदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के प्रधीन ग्रमुकेंय है या नहीं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए भ्राय्- सीमा
1	2	3	4	5	6	7
<b>क रिटेब</b> स	56* (1993) *कार्यभार के आधार पर परि- धर्तन किया जा . सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा, ग्राराजपत्नित, मनुसचिवीय मेट्रिफ उत्तीर्ण व्यक्ति के लिए समूह, "ग". और किना मेट्रिक उत्तीर्ण व्यक्ति के लिए समृष्ट्र "घ"	800-15-1010 द. गे20- 1150(बिना मैट्रिक उत्तीर्ण स्थमित के लिए) 825-15900- स. गे25-120 (मैट्रिक उत्तीर्ण - स्विम्ल के लिए)		इस पंबंध में केन्द्रीय साकार द्वारा जारी किए गए धावेग के धनुमार सरकारी सेवकों के लिए प्रिथिल नारके 40 वर्ष नककी जा सकती है) टिप्पण: भायु-सोमा प्रवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख पारत में भन्पियों से धावेवन प्राप्त करने के लिए नियम की गई अंतिम नारीख होंगी (न नि यह अंतिम नारीख जो असम, मेजारम, मणिपुर, नागालेख, जिपुरा, निकिकम, जम्मु-कश्मीर राज्य के लहांख खंड, हिमानल प्रवेण के लाहौर और स्पीति जिले तथा चम्धा जिले के पागी उपखंड, अंखमान और निकोबार द्वीप या लक्षकीय के प्रध्यायों के लिए विद्वित की गई है) 2. 'रीजगार कार्यालयों' के माध्यम से की जाने वाली भर्त की दशा में, भायु-सीमा भव- धारित करने के लिए निर्णायक तारीख बहु अंतिम तारीख होगे जिस तक रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के निए कहा निमा	f

**₹**1

सागुनहीं होता

भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए घर्षोक्षत गौक्षिक और ग्रन्थ सीधे भर्गी किए जाने थाले व्यक्तियों के लिए घर्षोक्षत गौक्षिक आयु परित्रीक्षा की अअधि, गृहि अर्रेताएं और शैक्षिक धाईनाएं प्रोन्नत व्यक्तियों की वणा में लाग कोई हो। हीगी या नहीं 9 10 (i) मैदिक्लेणन या गमसुन्य लाग नहीं होता सीधे भर्ती किए जाने वाले (ii) न्युनतम<sup>्</sup>शरीरिक मानः स्यमिसयों के लिए दो धर्ष उचार्घ -167 स, मी, सीना (i) साधारण -80-85 से. मी. (ii) पहाड़ी/जनजाति के व्यक्तियों के लिए 78-73 से. मी. (iii) धादिवासियों जिसके अंतर्गत मिजो और नागा भी है-76-81 दुष्टिशक्ति (भन्में के साथ या मन्में के बिना) - दूर की दुष्टि एक ग्रांख में 6/6 और कुरती ब्रांख में 6/9 : निकट की ६व्टि एक भाषा में 0.6 और दूसरी ब्रांख में 0.8. प्रध्यावियों के संहतजान या सपाट पांच नहीं होना चाहिए । टिप्पण : 10 पहाड़ी और जनजाति के स्विधितयों के लिए अर्थात गोरखा, गढ्डाकी, कुमायंती क्षांगरर, मराठा और आदिवासी जिसके प्रस्तर्गत मिजो और नागा भी है, उंचाई 160 सें मी.। 2. ऐसा श्यक्ति जिसकी भाष 20 वर्ष से कम है और जिसकी ऊंचाई और सीने का संपूर्ण माप ऊपर बिहित मान से वो में मी. कम है, कांस्टेबल भर्नी के लिए सब पाल होगा, यदि यह अन्यया भहिन है और चिकित्सा प्रधिकारी यह प्रमाणित कर देता है कि उसकी भाष 20 वर्ष से कम है और उसके द्वारा विहित्र मान की प्राप्त यह लेने की संभावना है। 3. महिलाओं के लिए शारीरिक मान बड़ी होगा जो पुरुषों के लिए है इसके सिवाए कि सीने के लिए कोई न्युनतम अपेक्षा नहीं होगी और ऊंचाई 153 में मी. मे कम नही होगी। प्रोस्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भती की दणा में वे श्रीणयां भर्ती की पर्वात: भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनिय्किस/ स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्मतियों द्वारा भरी जाने वाली रिनितयों जिनमे प्रोन्नति/प्रतिनिय्किन/स्थानारतरण किया जाएगा। की प्रतिशत्तता 11 12 केम्ब्रीय पुलिस संगठन/राज्य पुलिस बल में ऐसे पदधारी, जो कांस्टेबन प्रतिनियुक्ति पर स्थानाक्तरण, जिसके न हो सक्षते पर सीधी भर्ती द्वारा का पद समतृत्य रैक धारण किए हुए है। प्रतिनियुक्ति की प्रथिष्ठ जिसके प्रस्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी घरण संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी प्रथ्य काडर-त्राह्मय पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है साधारणतया तीन वर्ष से प्रधिक नहीं "पोषक प्रवर्ग के ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोन्तित की मीधी पंक्ति मं है, प्रतिनिय्क्ति पर निय्क्ति के लिए बिचार किए जाने के पास नहीं होंगे। इसी प्रकार प्रतिनिधिक्त व्यक्ति प्रान्तित हारा नियक्ति के लिए विचार किए आने के पात्र नहीं होंगे। प्रतिनियुक्तियर स्थानाभारण द्वारा नियुक्ति के लिए श्रक्षिकतम भायु-सीमा श्राबदेन प्राप्त होने की मन्तिम तारीख को 56 वर्ष से प्रविक नहीं होगी। भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ सोक सेवा मायोग से परामर्श यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना किया आएगा।

टिप्पणः मूल नियम गा.का. नि.सं. 695 और सस्परचात सणोधित गा.का. नि. सं. 1920 नार्याय 20-11-76 हारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे।

14 लाग नहीं होता

> [सं. 11/10/73 - प्रजा. 1/जो पी. गार. और को कार्मिक] भार. शंकरनारायणन, श्रवर सचित्र

### New Delhi, the 4th August, 1994

G.S.R. 425. In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Bureau of Police Research and Development (Constables) Recruitment Rules, 1975, namely:—

- I. (i) These rules may be called the Bureau of Police Research and Development (Constables) Recruitment (Amendment) Rules, 1994.
  - (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Bureau of Police Research and Development (Constables) Recruitment Rules, 1975, for the Schedule, the following Schedule shall be substituted, namely:—

### SCHEDULE

Name of Post	Number of post	Classi	fication	Scale of pay	
1		2	3	4	
Constable	56* (1994) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service, non-Gazetted non-ministerial group 'C' for matriculates and Group 'D' for non-matericulates.		Rs. 800-15-1010-EB-20-1150 (for non-matriculates) Rs. 825-15-900-EB-25-1200 (For matriculates)	

Whether Solec- tion post or non-selection post	Whether benefit of added years of ser- vice admissible under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972		required for direct recruits.	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruit will apply in the case of promotees
5	6	7	8	9
Not applienble	No	Between 18 and 25 years:  (Relaxable for Government servants upto 40 years in accordance with the orders issued by the Central Government in this regard)  Note:- The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of application from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram.  Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim,  Ladakh Division of Jummu and Kashmir State,  Lahaul and Spiti District and  Pangi-Sub-division of Chamba	•	Not applicable

D istrict of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep). In the case of recruitment through the 'Employment Exchange', the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchange is asked to submit the names.

of age and his height and/or the measurement round the chest falls short by two Cms. than the standards prescribed above shall be eligible for recruitment as a Constable, if he is otherwise qualified and the Medical Officer certifies and he is likely to mainttain the prescribed standard measurements,

3

3. For women, physical standard shall be the same as for males excepting that there shall be no minimum requirement of chest, and height shall not be less than 153 cms.

Period of Probation, if any

Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods. In case of recruitment by promotion/deputation/ transfer grades rom which promotion/deputation transfer to be made.

10

11

12

2 years for direct recruits.

Transfer on deputation failing which by direct recruitment.

Officials holding the post of Constable or equivalent rank in the Central Police Organisation/State Police Force. The period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall not exceed three years.

"The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion will not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. The maximum age limit for appointment by transfer on deputation shall be not exceeding 56 years as on the closing date of receipt of applications.

If a departmental Promotion Committee exists, what is its composition.

Circumstances in which Union Public Service Commission is to to be consulted in making recruitment.

13

14

Not applicable

Not applicable

Note: The principal rules were published in the Gazette of India vide number GSR 695 dated 7-6-75 and subsequently amended vide GSR 1620 dated 70-11-76.

# नर्र विस्ती, ४ अगस्य । १९९४ -

सा.का.वि. 426--राष्ट्रपमि, संविधात के अनुसळेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदन्त समिनयों का प्रयोग करते हुए, पुलिय अनुसंक्षात एवं विकास ब्यूरो, अनुसंचिवीय (समूह छ) पद भगी नियम 1976 का और संगोधन करने के जिए निस्नालियन नियम बनाते हैं, श्रद्धांन :--

- (1) इत निसमों का संक्षित नाम पुलिस प्रतुसंधान और शिकास व्यूरो धनुसविधीय (समृह ख') पद भनीं (संशोधन) नियम 1994 है।
- (2) में राजपन्न में अकाशन की नारीख को प्रवृक्त होंगे।

2. पुलिस अनुसंधान औभ विकास ब्यूरो, अनुसचितीय (समूह "ख") पर भर्ती निषम, 1976 की अनुत्वों में आगुतियिक श्रेगी-2 (वैपरितक सहायक) के पद से संबंधित कम संख्यांक 4 और उसमें संबंधित प्रविष्टियों के शामने निम्नलिखिल कम संख्याक और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, भयति :---

			षनुमूची				
पद क्षानाम	पर्यों की सें.	<b>ब</b> र्गिकरण	वेशनमान	चयन पद ग्रथवा श्रचयन पद	सेवा में जोड़े गए वर्षी का फायवा केन्द्रीय सिक्षिल सेवा (पेंशम) नियम, 1972 के नियम 30 के मधीन श्रनुक्रेय है या नहीं।	सीधे भनीं किए जाने वासे व्यक्ति यों के लिए भायु मीमा	
1	2	3	4	5	6	7	
श्रीगुलिपिक श्रेणी-2	35* (1994) *कार्यभार के भ्राधार पर परिवर्तन किया जा मकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवः, समूह ' स्न' घराजपक्षित, श्रनुमचिवीय -	1640-60-2600- व.रो -75-2900 ह.	ग्र <b>चय</b> म	नही	प्रथ्यपि ने उस वर्ष की पहरें जनवरी को जिसमें परीक्षा न जाती हैं। 18 वर्ष की ब्रा प्राप्त कर ली हो लखा 25 वर्ष की ब्रामु प्राप्त न की हो परन उपर विजित ब्रिधिकतम श्राय सीमा मनुमूचित जातियों धनुमूचित जनजातियों खौ व्यक्तियों के ब्रन्य ऐसे प्रका के ब्रभ्यियों की बावत, जिन् सरकार समय-समय पर व्यक्ति ब्रीय उन शतों के प्रधीर रहने हुए, जो प्रस्थेक प्रवां की बायत प्रधिसूचित की जाए शिथिन कर सकेगी।	
सीधे भर्ती किए जाने वाहे	ते व्यक्तियों के लिए श्र <b>ष्ट्रं</b> ताएं	भ्रपेक्षित मैक्षिक और भ्रन्य	सीधे भतीं किए जाने बार् विहित ग्रायु और गैशिक की दणा में लागृ होंगी य	मर्हताएं प्रोक्षत		की प्राविध, यदि कोई हो ।	
	8			9		10	
डाक्सचीं ने संसव या राज्य विधानमंडल के घिधिनियम द्वारा निर्मासन किसी विष्यविद्यालय की मैट्रिक की परीक्षा या किसी राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र देने के लिए माध्यमिक विद्यालय पाठ्यकम के अंत में की गई परीक्षा उसीर्ण की हो या अन्यथा उसके पास परीक्षा में प्रवेश के प्रयोजनार्थ सरकार द्वारा मान्यसा प्राप्त कोई घहुंना हो।  परन्तु श्रापवाविक दणाओं में किसी ऐसे अध्ययों को, जिसके पास यद्यपि अपर जिनिविद्य धर्मुंनाओं में से कोई घहुंना न भी हो तो उसे कमंचारी अयम प्रायोग द्वारा शैक्षिक रूप से छोड़ित माना जा सकैंगा, यदि उसके पास ऐसी घहुंनाएं हों, जिनका स्तर अध्योग की राय में परीक्षा में उसके प्रवेश को स्यायोजित उहुराला है।				<b>नहीं</b>		दो हर्ष	

मती की पद्धित : मर्जी सीधे होगी या श्रोशित द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानोक्रण द्वारा तथा त्रिभिन्न पद्धिनयों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिगतना प्रोन्नित/प्रतिनियुत्रित/स्थानीतक्रण द्वारा नतीं की वसा में वे शैणियां जिनसे प्रोन्नित/प्रतिनियुक्ति/स्थानीतरण किया जाएमा

11

- (1) 40 प्रतिमात प्रोफ्नति द्वारा जिसके न हो सकके पर प्रतिनियुक्ति पर स्थाना-नरण दरस्य
- (2) कर्मचारी चयन भागोग द्वारा भी जाने वाली भागुलिपिक श्रेणी-II के परीक्षा परिणाम पर 60 प्रतिभन नीधी भर्मी द्वारा जिसके नहीं कक्षते पर प्रतिनियनित पर स्थानास्तरण द्वारा।

प्रोन्नति :

पुलिस प्रमुसंधान और विकास व्यूरी जिसके ग्रन्तर्गत प्रशासनिक नियंत्रण के प्रधीन सभी कार्यालय भी हैं, में कार्यरत ऐसे प्रागृनिपिक श्रेणी-III जिन्होंने उस श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा की है।

प्रतिभियुक्ति पर स्थानांतरण :

केन्द्रीय सरकार के ब्रधीन ऐसे ब्रधिकारी :--

- (क) (1) जो नियमित ग्राधार पर सदृश पव धारण किए हुए है, या
  - (2) जिन्होंने 1400--2300/2800 व. या समतुख्य वैतनमान बाले पत्रों पर पौच वर्ष नियमिस सेवाृकी है, या
  - (3) जिन्होंने 1200-2040 ए. या समतुल्य वैक्षनमान वासे पढ़ों पर दस वर्ष नियमित सेवा की है, और
- (ख) जिनके पास प्रामुलिपिक (अंग्रेजी/हिल्दी) में 100 मध्य प्रति
  मिनट की गति है। पोषक प्रवर्गों के ऐसे विभागीय प्रधिकारी, जो
  प्रोमित की सीधी पंक्ति में है प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए
  विभार किए जाने के पान्न नहीं होंगे। इसी प्रकार, प्रतिनियुक्ति व्यक्ति
  प्रोमित द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पान्न नहीं होंगे।
- (प्रिप्तिनियुक्ति की मबधि, जिसके मन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी मध्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी मध्य काचर बाह्य पव पर प्रतिनियुक्ति की मबधि है, लाधारण तया सीन वर्ष से मधिक नहीं होगी। प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण (जिसके अंतर्गत मन्यकालिक संविधा भी है)/स्थानांतरण द्वारा नियुक्ति के लिए मधिकतम भायु सीमा मायेवन प्राप्त करने की अंतिमं तारींख को 56 वर्ष से सिक नहीं होगी।)

यवि विभागीय प्रोमति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संच लोक सेवा झायोग से परामग्री किया जायगा

13

14

समृह 'क' विभागीय प्रीक्षति समिति (प्रोक्षति/पृष्टि के संबंध में विभार करने के लिए) जो निम्नान्सिकत से मिलकर बनेगी :---

संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक नहीं 🕻 ।

- निवेशक, पुलिस ग्रनुमंधान और विकास स्पृशे- ग्रध्यक्ष
- 2. उपानवेशक, अभिस अनुसंधान और विकास व्यूरी- सदस्य
- गृह मंत्रालय का एक ऐसा श्रिकारी जो भारत सरकार के उपसचित्र के रैफ मे लीवे का न हो- - सदस्य ।

[सं. 2/10/74-प्रशा० (जिल्द-II),की पी ग्रार एंड की/कार्मिक I]

ग्रार. शंकरनारणम्, भवर स**धिव** 

बाव ढिप्पण :---मूल नियम सा.का.नि. सं. 607 तारीख 13-4-1976 के द्वारा अधिसृचित और उसके पश्चात सा.का.नि. सं. 218 तारीख 8-2-84, सा.का. नि. सं. 915 तारीख 9-8 84 और मा.का.नि. सं. 834 तारीख 30-10-67 के द्वारा मंगीवित किए गए थे। Now Delhi, the 4th August, 1994

- G.S.R. 426—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Bureau of Police Research and Development Ministerial (Group 'B') posts Recruitment Rules, 1976, namely :-
  - (1) These rules may be called the Bureau of Police Research and Development Ministerial (Group B) Posts Recruitment (Amendment) Rules, 1994.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule to the Bureau of Police Research and Development Ministerial (Group 'B') posts Recruitment Rules 1976, against serial number 4 relating to the post of Stenographer Grade-II (Personal Assistant) and the entries relating thereto the following serial number and entries shall be substituted, namely :--

### **SCHEDULE**

Name of Post	Number of Posts	Classification	Scale of pay	
1	2	3	4	
Stenographer Grade-II	*35 (1994) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service, Group 'B', Non-Gazetted, Ministerial	Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900	

Whether Selection Post or Non-Selection Post

Whether benefit of added Age limit for direct recruits years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Service (Pensions) Rule, 1972

Educational and other qualifications required for direct recruits

Whether age and educational qualifications prescrifor direct bed recruits will apply the case of promotees

5

6

8

9

-Non-Selection-

No

A candidate must have attained A candidate must have passed the age of 18 years and must not have attained the age of 15 years on 1st January of the year in which the examination is held-provided that the upper age limit mentioned above shall be relaxed in respect of the candidates belonging to the Scheduled Castes/ Scheduled Tribes and such other categories of persons as may from time to time be notified by the Government to the extent and subject to the conditions notified in respect of each category.

the Matriculation Examination of a University incorporated by an Act of Parliament or State Legislature or examination held by the State Education Board at the end of Secondary School Cource for the award of School Leaving Certificte or otherwise possess any qualification which has been recognised by the Government for the purpose of admission to the examinanation.

Provided that in exceptional cases, a candidate who though possessing any of the qualifications specified above may be treated by the Staff Selection Commission as educationally qualified if he possesses qualifications, the standard of which in the opinion of the Staff Selection Commission fustifies his admission to the examination.

No

In case of recruitment by promotion/deputation/ Method of recruitment whether by direct recruitment Period of probation. or by promotion or by deputation/transfer and percentransfer grades from which promotion/deputation/ if any transfer to be made tage of the vacancies to be filled by various methods. 12 11 10 Promotion: (i) 40% by promotion failing which by transfer on Two years Grade III Stenographers working in the Bureau of . deputation. Police Research and Development including all (ii) 60% by direct recruitment on the results of the offices under its administrative control, with five Grade II Stenographers, Examination conducted years' regular service in the grade. by the Staff Selection Commission failing which Transfer on deputation: by transfer on deputation. Officers under the Central Government:-(i) holding analogous posts on regular basis; (ii) with five years' regular service in posts in the scale of Rs. 1400-2300/2600 or equivalent: (iii) with ten years' regular service in posts in the scale of Rs. 1200-2040 or equivalent; and (b) possessing a speed of 100 words per minute in Shorthand (English/Hindi). The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion shall not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. (Period of deputation including period of "deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central | Government shall ordinarily not to exceed three years. The maximum age limit for appointment by transfer on deputation (including short-term |contract/ transfer shall be, not exceeding 56 years, as on the closing date of receipt of applications). Circumstances in which Union Public Service Commission is to. If a Departmental Promotion Committee exists, what is its be consulted in making recruitment. composition Consultation with the Union Public Service Commission is not Group 'B' Departmental Promotion Committee (for considering promotion/confirmation) consisting of:-necessary. 1. Director, Bureau of Police Research and Development,--- Chairman 2. Deputy Director, Bureau of Police Research and Development-Member 3. An Officer from the Ministry of Home Affairs not below the rank of Deputy Secretary to the Government of India-Member [No. 2/10/74-Adm. I (Vol. II)/BPR&D/Pers. I] R. SANKARANARAYANAN, Under Secy.

Foot-note:-Principal rules were notified vide GSR No. 607 dated 13-4-1976 and subsequently amended vide GSR No. 218 dated 8-2-84, GSR No. 915 dated 9-8-84 and GSR No. 834 dated 30-10-87.

> उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड मई विल्ली, 29 जुलाई, 1994

सा.का.नि. 427.--भारतीय भॉयलर 1923 (1923 का 5) की धारा (1) की श्रपेक्षानुसार, भारतीय भावासर जिनियम, 1950 में और संशोधन करने के 12 फरवरी, 1994 के भारत के राजपन्न भाग IT खंड (3)

उप खण्ड (i) के पृष्ठ 260-263 पर भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) ∮(केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड) की 18 जनवरी, 1994 की ग्रधिसूचना संख्या सा.का. नि. 83 में कतिपय प्रारुप विनियम प्रकाशित किए गयेथे जिसमें उससे प्रभावित होने की संभावना थी उन सभी से जिनके भारोप और सुझाव मांगे गए थे; 24 स्रत्रैल, 1994 राक

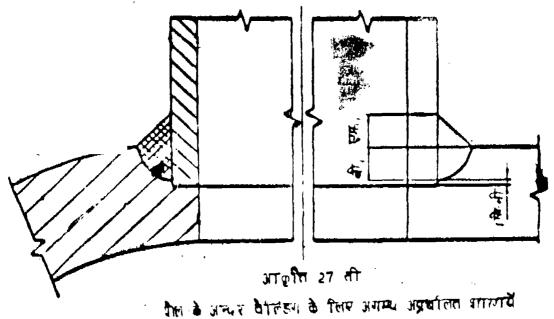
उन्त राजपन्न की प्रतियां आम जनता को 11 मार्च, 1994 को उपलब्ध करा दी गई थी;

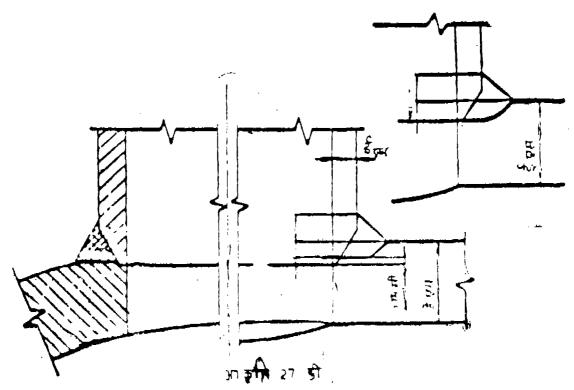
और भ्राम जनता से कोई ग्राक्षीप व सुझाव प्राप्त नहीं हुए थे;

म्रतः मत्र भारतीय बाँयलर मिश्रिनियम, 1923 (1923 का 5) की धारा 28 द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय बाँयलर बोर्ड, भारतीय बाँयलर विनियम 1950 में और संशोधक करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, म्रथित् :—

 (1) इन विनियमों को इंडियन बॉयलर (चलुर्ष -संशोधन) रेगूलेशन, 1994 कहा जायेगा।

- (2) वह राजपत्र में प्रकाशन की सिथि से लागू होंगे।
- 2. इंडियन बायलर रेगूलेशन, 1950 में रेगूलेशन 280 में,
- (क) उप रेगूलेशन (ए) में शब्द, अंकों व स्रक्षर "और 27बी" के स्थान पर, अंक स्रक्षर व शब्द "27 बी, 27 सी और 27बी" प्रतिस्थापित किये जायेगे।
- (ख) प्राकृति संख्या 27वी के पश्चाठ्, निम्नलिखिन भाकृतियां प्रविष्टि की जाएगी, ग्रथात :---





ील के अन्य है जिल्हा के जिल्हा अवस्था अवस्थातक करावर है

बाद टिप्पण: मूल नियम एस. प्रार. झो. संख्या 600 दिनांक 15 सितम्बर, 1950 में केवल अंग्रेजी में प्रकाशित किये गये थे व श्रन्तिम बार निम्नलिखित श्रक्षि-सुवना से संशोधित किये गये थे:

- (1) सा.का. नि. संख्या 178 दिनांक 24 मार्च, 1990
- (2) सा.का.नि. संख्या 179, दिनांक 24 मार्च, 1990
- (3) सा.का. नि. संख्या 488, दिनांक 9 ध्रक्तूबर, 1993
- (4) सा.का. नि. संख्या 516, विनांक 23 प्रक्तूबर, 1993
- (5) सा.का.नि. संख्या 634, विनोक 25 विसम्बर, 1993
- (6) सा.का.नि. संख्या 107, दिनांक 26 फरवरी, 1994 (गुद्धि पत्र सा.का.नि. 223, दिनांक 14 मई, 1994)
- (7) मा.का.नि. संख्या 250, विनांक 4 जून, 1994

### MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

Central Boilers Board

New Delhi, the 29th July, 1994

G.S.R. 427.—Whereas draft of certain regulations, further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, were published

as required by sub-section (1) of Section 31 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923) at pages 260 to 263 of the Gazette of India, Part-II Section 3 Sub-section (i), dated the 12th February, 1994 under the notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) (Central Boilers Board) No. GSR 83, dated the 18th January, 1994 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the 24th April, 1994.

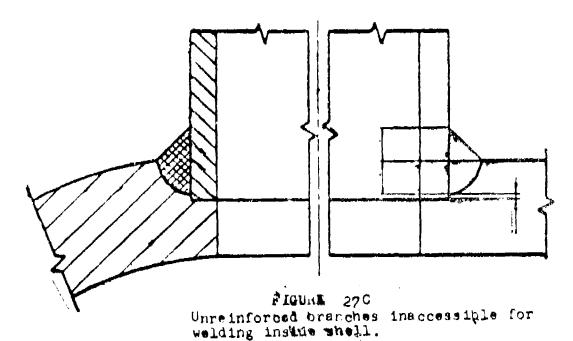
And whereas the said Gazette was made available to the public on the 11th March, 1994;

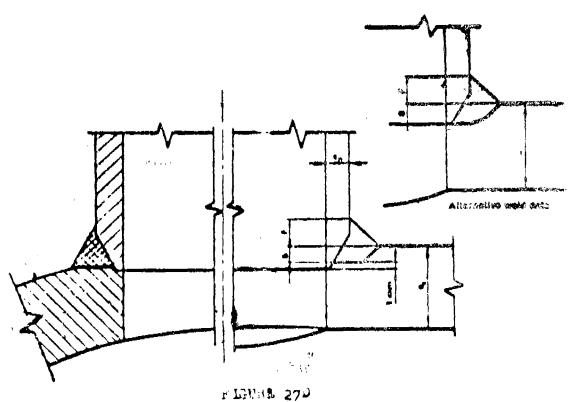
And whereas objections or suggestions were considered by the Central Boilers Board;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 28 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), the Central Boilers Board hereby makes the following regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, namely:—

- 1. These regulations may be called the Indian Boiler (Fourth Amendment) Regulations, 1994.
- 2. In the Indian Boiler Regulations, 1950, in regulation 280.—
  - (i) in sub-regulation (a), for the word, figures and letter "and 27-B", the figures, letters and word "27-B. 27-C and 27-D" shall be substituted;

(ii) after figure number 27-B, the following figures shall be inserted, namely :-





Unreinforced branches inaccessible for welding inside shell

Notes—The branch must be a loose fit in the hole but the gap at any point, should not exceed 3 mm or en/2 whichever is less.

Weld sizes B1 + F1 = 1.5 en

FI should not exceed 16 mm not be less than en/2. Weld size B+F=1.5 en minimum or

1.5 es minimum, whichever is less. F should not exceed 16 mm nor be less than en/2. en = thickness of nozile e1= thickness of shell."

[File No. 6(8)-92-Boilers] V. K. GOEL, Secy. Footnote- The principal regulations were published in the Gazette of India as SRO No. 600 dated 15th September, 1950 and last amended vide Gazette potifications--

- (i) GSR 178 dated 24th March, 1990
- (ii) GSR 179 dated 24th March, 1990

- (iii) GSR 438 dated 9th October, 1993
- (iv) GSR 516 dated 23rd October, 1993
- (v) GSR 634 dated 25th December, 1993
- (vi) GSR 107 dated 26th February, 1994. (Corrigendum GSR 223 dated 14th May, 1994)
- (vii) GSR 250 dated 4th June, 1994.

### स्वास्थ्य और परिवार कस्थाण मंद्रालय

### नई किल्ली, 3 फरवरी, 1994

- सा. का. नि. 428 :---राष्ट्रियनि, संविधान के अनुष्छेद की 309 के परन्तुक द्वारा प्रयत्त गरितयों का प्रयोग करते हुए स्वारूप और परि-वार कत्याण मंत्रालय और स्वारूप मेवा महानिदेशालय में अञ्बेषक (सांक्षियनी) को पद पर भर्ती की पद्धित का विनियमन करने के लिए निस्न-लिखित नियम बनाते हैं अर्थान :---
- 1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) :--इन नियमों का संक्षिप्त नाम स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय नया स्वास्थ्य मेवा महानिदेशालय अन्वेषक (मार्कियकी) भर्ती नियम, 1994 है।
  - (2) ये राजपल में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगं।
- 2 पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :— उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका बेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपायद अनुसूची के स्तम्म 2 से स्तम्भ 4 में विनिद्ध्य है।
- 3. भर्ती की पद्धति. आयु-मीमा और अन्य महैताएँ मादि :~उक्त पद पर फर्ती की पद्धति, आयु-मीमा, महैताएँ और उससे मंबंधित ग्रन्य कार्ते वेहोंगीओ पूर्वोंकत अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिधिंस्ट हैं।
  - निरर्हता:—वह व्यक्ति:
  - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
  - (ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी की जीवित होने कुए किमी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि क्षेत्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विवि के ग्राधीन अनुषय है और ऐसा करने के लिए भ्रन्य श्राधार हैं तो वह किसी व्यक्ति की इस नियम के प्रवर्गन से छट देसकेगी।

- 5. णिबिल करले की शक्ति :---जहां केन्द्रीय सरकार की यह राया है कि ऐसा करना आध्रम्यक या समीचीन है, बढ़ां वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखब**ड** करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परासर्ग करके, इन नियमों के किसी उपबंध की किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियीं की बाबल, आदेश द्वारा णिबिल कर सकेगी।
- 6 व्यावृत्ति :----इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षण, श्रायु सीमा में छूट और श्रन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय संरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए श्रादेशों के श्रनुसार श्रमुसूचित जातियों सनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और श्रन्य विशेष प्रवर्ग के ब्यक्तितयों के लिए उपसंध करना सपेकिन है।

पंत्र की साम	पदों की शंख्या	वर्गीकरण	<b>बेतनमान</b>	श्रयम् पद प्रयश धन्नयम् पद	सीघे भर्ती फिए जाने वाले व्यक्तियों के घायुसीमः।	सेवा में फोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिकिल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के भधीन श्रनुकेय है या नहीं
1	2	3	-1	5	6	7
श्रम्बेषक (साव्यिकी)	33* (1994) *कायभार के भाधार पर परिवर्तन किया भासकता है।	साधारण केन्द्रीय सेया समूह "क्ष" प्रराजपत्नित, भसनृसविधीय	1640-60- 2600-द. रो - 75-2900 द.	षयन	30 वर्ष से मधिक मही  (कैलीय सरकार बारा जारी किए गए अनुवेशों या प्रादेशों के धनुसार सरकारी सेवकों के लिए धांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती हैं)। टिप्पण :	

ಾಗಿ ಜಿಕ್ಕಳ ಎಂದು ಕ್ರೀಕ್ಷಿ ಕೆಚ್ಚಿಕ ಜ್ಞಾನ್ ಎಂದು ಕಾರ್ನಿ ಪ್ರಕ್ಷಕ್ಕಿ ಎಂದು ಎಂದು ಕ್ರೀಕ್ಷಕ್ಕೆ ಎಂದು ಸಂಪೂರ್ಣವಾಗಿ ಎಂದು ಎಂದು

भारत में प्रश्नियों से प्रावेदम प्राप्त करने के लिए नियत की गर्ट अतिम तारीख होती (न कि बह अंतिम तारीख जो ध्रमम, मेषालय, ग्रम्णावल प्रदेश, मिजी-रम, मणिपुर, नागालेख, क्षिपुरा, क्षिकिस अन्मू-कश्मीर राज्य के लड्ख खंड, हिमाचल प्रदेश के लाहील और स्पीति जिले सथा चन्या जिले के पांनी उपखंब, अंदमान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के ध्रथ्यार्थियों के लिए बिहित की गई है।

भर्ती किए जाने जाले व्यक्तियों के लिए धपेकित शैक्षिक और धन्य मेहताएं

सीधे भर्ती किए जाने वाल व्यक्तियों के लिए विहित धायु और गैक्षिक महैसाएं प्रोक्सत व्यक्तियों की दशा में लागू होगी या नही परिकीका की मवधि, यविकोई हो

8

9

10

धावस्यक

नहीं

मीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों भीर प्रोक्षत व्यक्षितओं के लिए दो वर्ष

- (1) किसी मान्यताप्राप्त विण्वविद्यालय में सांक्ष्यिकी या सांध्या अनुसंधाम या गणित (सांक्यिकी सहित) या अर्थणान्स (सांक्ष्यिकी सहित) में मान्टर बिग्री या समतुल्य।
- (2) सांक्ष्मिक धांकड़ों के संग्रहण, संकलन, विश्लेषण और सिर्वेशन में दो वर्ष का अनुभव ।
- टिप्पण :--- ग्रहेंलाएं प्रत्यथा सुप्रहित प्रध्यथियों की देशा में संघ लोक सेवा भायोग के विभेकाधीन शिथिल की जा सकती है।
- टिपण :-- 2. मनुभव संबंधी घाईता ( महंताएं) संब लोक सेवा धायोग के विवेकानुसार धनुसूचिन जातियों और धनुसूचिन जातियों और धनुसूचिन जातियों और धनुसूचिन जातियों की प्रभ्यियों की वाम में तब णियल की जा सकती है (है) जब ध्यम के किसी प्रथम पर संघ लोक सेवा धायोग की यह राग है कि उनके लिए धारिधत रिक्तियों को भरने के लिए घोषित धनुभव रखने वाले उन समुवायों के धन्यधियों के पर्यात्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोश्नित द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थाना-तरण द्वारा तका विभिन्न पश्चिमी द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिकातना प्रोन्नति/प्रतिनिधुम्मि/स्थानीतरण शारा भर्ती की वशा में वे श्रीणयां जिनसे प्रोन्नति /प्रतिनिधुनिस/स्थानीतरण किया जाएगा

11

(1) 7.5 प्रसिजन प्रोक्षति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियृणित पर स्थानांतरण द्वारा और दोनों के म हो सकने पर सीधी मर्नी द्वारा । 12

प्रोफ्रितिः ऐसा सांशियकी सहायक, जिसने उस श्रेणी मैंपीच वर्ष निश्रमिक सेवा की है।

केस्त्रीय सरकार के धन्नीन ऐसे मधिकारी :

(क) (1) जो नियमित माधार पर सब्ण पद धारण कि**ए** हुए हैं; या

12

- (ii) जिल्होंने 1400-2300/2600 र. का समतुल्य वैतनभात वाले पदों पर पांच वर्ष निर्मामत सेवा की है; और
- (ख) जिनके पास स्तम्भ 8 के प्रधीन भीथे भर्ती किए जाने बाले व्यक्तियों के लिए विकित पैक्षिक प्रहेंनाएं और अनुभव है। पोपक प्रदर्भ से ऐसे विभागीय अधिकारी, जो पोक्षति की सीधी पित्रले में है प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विभार किए जाने के पास नहीं होगें।

प्रतिनिगृष्ट्रित की श्रविधि, जिसके श्रन्तर्गत केन्द्र सरकार के उसी या किसी श्रन्य संगठन/विधाग में क्स नियुक्ति से ठीक पहले श्रास्ति किसी श्रन्य काडर बाह् यू पद पर प्रतिनियुक्ति की श्रविधि है, साधा-रणतया 3 (तीन ) वर्ष से श्रिष्ठिक नहीं होगी। प्रतिनियुक्ति पर स्थानितरण हारा नियुक्ति के लिए श्रिष्ठिकतम श्रायु सीमा श्रावेदन प्राप्त होने की अतिम तारीख को 56 वर्ष से श्रिष्ठिक नहीं होगी।

यदि विभागीय प्रोन्नित समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा भ्रायोग से परामशं किया जाएगा

13

- समृह्र ''श्र'' विभागीय प्रोन्नति समिति ( प्रोन्नति/पुष्टि के लिए ) : 1. निदेशक ( प्रशासन और सतर्कता ) स्थास्थ्य सेवा महानिदेशालय-—प्रध्यक्ष
- निदेशक (केलीय स्वास्थ्य भ्रामचना ब्युरो ) —-सदस्य
- 2. 19444 ( 19214 14114 141 ( 1 )
- प्रवर सिषव (प्रशा-II) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मलालय---सदस्य
- वप निदेशक (प्रणा.) स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय —सदस्य
- उप निदेशक प्रशा. (रोकड और बजट) स्वास्थ्य मेवा महानिद्रेशालय
  —-सदस्य

टिप्पण - नीधी भर्ती की पुष्टि से गंबिश्त विभागीय प्रोन्नित सिमिति की कार्यंश्राहियां सब लोक गेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी नाएंगी किन्तु यदि प्रायोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नित मिसित की बैठक मंघ लोक सेवा श्रायोग के अध्यक्ष के या किसी सदस्य की श्रध्यक्षता में पिर से होगी।

मीधी भर्ती करने समय सब लोक मेवा श्रायोग से परामर्श करना श्राद-इयक है।

14

[मं. ए.-12018/2/92-प्रगा. --II/स्था.-II] लाल सिह, भ्रवर सचित्र

# MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 3rd February, 1994

- G.S.R. 428.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Investigtaor (Stat) in the Ministry of Health and Family Welfare and the Directorate General of Health Services, namely:
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may of called the Ministryt of Health and Family Welfare and the Directorate General of Health 1811 GI/94--4

Services, Investogator (Statistics) Recruitment Rules, 1994.

- (2) They shall come into force on the date of their Publication in the Official Gazette.
- 2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of post, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule anuexed to these rules.
- 3. Method of recruitment, age limit and other qualification etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the aforesaid Schedule.

- 4. Disqualification—No person,
  - (a) Who has entered into or contracted a murriage with a person having a spouse living;
  - (b) Who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage, and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- المنطقية المستوطنين المنطق المنطون المتعلق الم \_ \_\_\_ ----5. Power to relax.--Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
  - 6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxations of age limit an other concessions required to be provided to candidates belonging to the Scheduled Castes, the Schedule Tribes. Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

### **SCHEDULE**

Name of Post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of Service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pen- sion) Rules, 1992.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
Investigator (Statistics)	33* (1993)	General Central Service Gr. 'B' Non-Ga zotted Non-Ministerial.	Rs. 1640-60- 2600-EB-75 2900.	Selection.	Notexceeding 30 years (Relaxa ble for Govt. scrvants upto 5 years in accordance with the instructions or orders	No.
	<ul> <li>Subject lo variation dependent on workload.</li> </ul>				issued by the Central Govt.)	
					Note:- The Crucial date for determining the agelimit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland-Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spitidistrict and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman & Nicobalslands or Lakshadweep	ır

Educational and other qualifications required for direct recruits	I Whether are and educational qualifications are prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	it any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/ transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.
(8)	(9)	(10)	<u>(ii)</u>
ESSENTIAL  (i) Master's Degree in Statistics or Operations Research or Mathematics (with Statistics) or Boom nic (with Statistics) or Comm rec (with Statistics) of a rengnice University or equivalent.  (ii) Two years' experience in collection, compilation, analysis and interpretation	No	2 years for direct r cruits and promote e	(i) 75% by promotion failing 8. which by transfer on de- putation and failing both by direct recruitment. (ii) 25% by direct recruitment
of Statistical data.  Note: 1-Qualifications are relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in case of candidates other wise well qualified.  Note: 2 The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in the case of candidate belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the U.P.S.C. is of the opinion that sufficient numb, r of candidates from these communities posses sing the required experience are not likely to be avaiable to fill up the vacancies reserved for them.			
In case of rectt, by promotion/deputation/ transfer, grades from which promotion/ deputation/transfer to be made.	If a DPC exists, what is its co	niposit on	Circumtsances in which UPSO is to be consulted in making rectt.
(12)	(i3	)	(14)
PROMOTION: Statistical Assistant with 5 years' regular service in the grade. Transfer on deputation Officers under the Central Goyt:— (a) (i) holding analogous posts on regular basis, or (ii) with 5 years' regular service in posts in the scale of Rs. 1400-2300/2600 or equivalint; and (b) possessing the educational qualifications and experience presgribed for direct results under column 8. The deputamental officers in the feader category who are in the direct line of promotion shall not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. [Period of deputation including period of deputation in another excader post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Goyt, shall ordinarily not to exceed 3 (three) years. The maximum age limit for appontment by transfer on deputation shall be, not exceeding 56 years, as on		Dtc. Gen. of Health alth Intelligence), ) M/o Health &  -Member. dget DGHS-Member e DPC relating to the ruitment shall be sent to al. If however, these are ssion a fresh meeting over by the chairman or	f

## णद्धि पत्र

# नई दिल्ली, 9 जून, 1994

मा. का. वि. 429—इम मंत्रालय की दिनांक 28-2-1994 की अश्रिण्चता भंग्या ए. 12018/15/90—ध्यापना—(III) के द्वारा अधिमूचित स्वाम्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (परिवार कल्याण विभाग) में वरिष्ठ कलाकार के पद के भर्ती नियमों की अनुसूची के कालम संख्या 13 में "संयुक्त सचिव (प्रणामन) सदस्य" प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित अविष्टि "मंयुक्त मचिव (प्रणामन) अध्यक्ष" प्रतिस्थापित की जाएगी।

[संख्या ए. 12018/15/90—स्थापना-III] लाल सिंह, ग्रवर मचिव

### CORRIGENDUM

New Delhi, the 9th June, 1994

G.S.R. 429.—In column number 13 of the Schedule to the Recruitment Rules for the post of Senior Artist in the Ministry of Health and Furaily Welfare (Department of Family Welfare) notified vide this Ministry's Notification No. A-12018/15/90-Estt. III dated 28-2-1994 for the entry "Joint Secretary (Administration)-Member", the following entry "Joint Secretary (Administration) Chairman' shall be substituted.

[No. A-12018/15/90-Estt. (II) LAL SINGH, Under Secy.

### कृषि मंद्रासय

(पण्पालन और डेरी विभाग)

नई बिल्ली, 20 जुलाई, 1994

सा.का.ति. ४३०.—राष्ट्रपति, संविधान के पन्स्टेर ३०० के परन्युक होत. र.उत्त णितियों का प्रयोग करते हुए और साधारण केदीय सेवा वर्ष 1 और वर्ष 2 (ब्रांगरियत (पर) दिल्ली दृष्य सीजना, गई दिल्ली) भर्ती नियम, 1964 की, जहां तक उनका संबंध देन नियमों से उपायद्ध अनुसूनी के क्षम संबंधा । पर दिल्ल देने इंजीतियर (कित्राट) के व्यास है अने कालों के सिकाय ब्रिधिकांण करते हुए, जिन्हें ऐसे ब्रिधिकमण से वहले किया गया है या करने का लीप किया गया है. कृषि मंत्रात्म, पण पालन और देरी विभाग के दिल्ली बुग्ध योजना में हेरी इंजीनियर के पद पर भर्ती की एदिन का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम वनाने हैं. ब्रिथीत् :---

- ा. सक्षिप्त राम और प्राप्तमाः (1) इन नियमी का उक्षिप्त नाम क्रीय मंत्रालय प्रणु पालन और अरी विभाग, विस्की दुग्ध याजनाः नई दिल्ली देनी इंजीनियर समृह कि' पद, सर्ती नियम, 1994 है।
  - (2) ये राजपद्य में प्रकाशन को तारीख को प्रवृत्त हुंगि।
- 2 पद संख्या. व्यक्तिरण और वेसनमान : पद की संख्या, उसका वर्षीकरण और उसका वेतनमान वह शोगा, जो इन नियमों से उपायक्ष प्रनुसूची के स्तस्थ २ में स्वस्था 4 में विनिदिस्ट हैं।
- 3. धर्मी भी पहित, श्रायु सीमा और श्रह्ताएँ पादि: उक्त एद पर भर्ती की पछित, श्रायु सीमा, भर्तताएँ और उसमें संबंधित ग्रन्य बाते वे होगी जो उक्त अनस्ची के रूपमा 5 में स्थापन असमें विविद्ध हैं।
  - निर्म्हना : वह व्यक्तिन--
  - (क) जिस्ते ऐसे व्यक्ति में जिसका पति था जिसकी पत्नी जीविस है, विवाह किया है, या
  - (खा) शिभने प्रापेने पति सा शापनी पत्नी के जीवित कोने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है।

उतना पद पर नियुक्ति का पाल नहीं होगा :

पश्चनुबक्षि कोल्ब्रय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा जिवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लाग स्थाय विधि के स्रधीन अनुकोय है और ऐसा अपने के लिए प्रत्य आधार है तो यह किसी स्पतिस का उन तियम के प्रवर्तन से छुट वे भकेगी।

- 5. मिथिल करने की मिथित जहां फिद्रीय सरकार को यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समाभीन है, यहां वह उसके लिए जो कारण है जन्हें लिखबढ़ एक्के नथा लड़ लोक मेंवा आयोग से परायम करके, इस निरम्मों के किसी अपवध की किसी अर्थ या अर्थ के व्यक्तियों की बावत. पाउन आयाल कर सकेरी।
- 6. ब्यावृत्ति : इन नियमो की कोई वास, ऐसे भारक्षण, मायु मीमा में छूट और भन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं बालेगा, जिनका केद्रोय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाल गए भ्राटेकों के शतुमार अनुमूचित भानियों, यनुसूचित जनजातियां, भूनपूर्व सैनिकों और भन्य विशेष प्रकर्ग के व्यक्तियों के लिए प्रबंध करना भ्रमेक्षित है

[भाग ] [—-१५०६ 3 ( i )] शारन		रत का रोजपत्ने : श्रगस्त ———-	ा का राजपत्र : श्रमस्त , 20, 1991/शायण 29, 1916			
,',-' <u></u> ,			च्यानुस्ची			
पदंकाताम	पटों की मं	वर्गीकः⊅ ∪	वेतनमान	चयन पद अथवा अस्यन पद	सोधे <b>भ</b> र्ती किए जाने जाले जिए स्नाप्सीस	•
!	2	3	4	5	6	7
<b>डे</b> री इंजीनियर	1* *(1994) कार्यभार के प्राधार पर परिवर्तन कि अस्मकता है	समह 'क', राजपतित, श्रननुभनिश्रोय शर	3000-100-3500- 125-4500 क्षय	चयन	4 वर्ष में प्रशिक्ष नहीं (केलीय सरकार हारा जारें चनुदेगीं या प्रावेगीं के सरकारी नेवाओं के लिए नक णिश्चिल की जा मक दिष्पणी : घामु नीमा प्रविधा वे लिए निर्णायक पानेरे अभ्योषियों में भावेदन प्र लिए नियम की गई ऑह होगों। से कि यह ऑह होगों। से कि यह ऑह प्रीयान, सिविक्स, जम्म प्रदेश, सिक्स, सिप्प, प्रदेश, सिक्स, क्रम राज्य के पहाल खंड, हिस् के लाहील और स्पीति चम्मा जिले के पाने। अदमान और निकाबा लक्षद्वीप के प्रध्यित्मीं के	अनुसार एपांच वर्ष भर्ता है।) रित्र करने ब भारत भें एन करने के समाराशिख समाराशिख समाराशिख नामानीट, म् जण्मीरः साचल प्रदेग जिले तथा उपलंड, र द्वीप था
मीधे भर्ती किएज	ाने बाले व्यक्तियों शीर प्रन्य भ्रहेत	के लिए प्रापेक्षित मंशिक गए	•		ाए <b>प्रोश</b> न ध्यक्तियो	। की भ्रम्नधि, यदि कोई हो।
	8			9		10
प्रशीतन/यंह डिग्रीयास्य (2) किपीख्यारि	भिक्षरणाद्दजीनियरोः मनुस्य । भिक्राप्ता यृहना सम	तिक्षाप्तय में थाक्षिकः/विज्ञुत या इत्त्रेषट्रोतिक इंजीतिक्यों में इत्तरकर्मणाला में योक्षिक व्यक्ति रूप में पांच वर्ष का श्रद्	ं तथापि, य को थिभाग पा कारियों गुमेवा पास कि विद्युत प्र	हेंताः हां ह इन निषयो ह में कार्यक को लागुनः सीमान्यता प्र ग्रामिन/संख्रीक	के प्राप्तभ की शिथि र एहे प्रोन्तर प्रक्षि - हीं होती परन्तु उसके स्पान संस्थान से थात्रिक/ रण या <b>ड</b> ीस्ट्रानिक	वं: वर्ष

टिप्पणी :

अहंताएं अन्यया स्याहित अध्यायियों की देशा में संघ जीत रोता *ब्रामीम* के विधेवानुसार शिथिल की का सवलो<sub>ं</sub> है ।

2. प्रसम्ब संबंधी धार्त्ता (ग्रहनाएं) संघ पोक सेवा सापीश के विवेकानुसार ब्रनुस्चित कातियां और यनुस्चित कतनातियां। फे श्रक्ष्यश्रियो की बजा में तब जिथिल की जा सकती (है), जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आपीग की यह शय है कि उनके लिए आ शित ितियों को मध्ने के किए अपेक्षित अनुभव रखने याले अन्यसभुदाया के अर्थियों व्यय क संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

### विष्ठिनीय :

डेरी इंजीनियरी, डेरी स्वंत्र और मशीनरे के जिसके क्रल्नांत प्रणितन भी है। अनुरक्षण आर. स्रम्भन में शिषेयज्ञाद एक्तिशण और अनुभव।

इंजीनियरी में डिप्पॉमा या सभतुत्य होना नाहिए।

भर्ती की पद्धति भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति बारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिमतना भोभति/प्रतिनियुक्ति/ज्यानोनरण द्वारा भर्ती की दशा में दे श्रीणयां जिनसे भोभति/प्रतिनियक्ति/स्थानान्तरण किया जायेगा

11

प्रोन्नति द्वारा. जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा (जिसके ग्रन्तर्गत ग्रन्थकालिक भी है) और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा। प्रोप्तिः

ऐसा सहायक इंजीनियर (हेरी) और सहायक इंजीनियर (इलैक्ट्रानिकी) जिसने उस श्रेणी में भाठ वर्ष नियमित सेवा की है।

टिप्पण : प्रोक्शांत के लिए पालता सूत्री. अधिकारियों द्वारा अपनी-अपनी श्रेणी/पद्यों पर विहित अर्हक संत्रा पूरी करने की तारीख के प्रति-निर्देश से तैयार की जाएगी।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानाक्षरण (जिसके प्रन्सर्गत प्रश्पकालिक संविदा भी है):

केन्द्रीय सरकार/राज्य मरकार/विश्वविद्यालय/मान्यताप्राप्त मनुसंधान सरुषाओं/पब्लिक सेक्टर उपक्रमों/प्रश्च सरकारी/स्वणासी या कानूनी संगठनों के प्रधीन ऐसे ग्राधिकारी :

- (क) (1) जो निधामन प्राधार पर सद्देश पद ध।रण किए हुए हैं, या
  - (2) जिन्होंने ,2200-4000 रुपये या समतुत्य वेतनमान वाले पदी पर पांच वर्ष नियमित सेवा को है, या
  - (3) जिल्होंने 2000 → 3500 के या लमतृत्य वेतनमान वाले पत्रों पर माठ वर्ष नियमित सेवा की है, और
- (ख) जिनसे पास स्तम्भ १ के प्रधीन सीग्ने मतीं किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित गैक्षिक अहंताएं और असुभव हैं। पोषक प्रवर्ग के ऐसे विभागीय अधिकारी जो प्राप्तित की सीधी पंक्ति में हैं प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पाल नहीं होंगे। इसी प्रकार प्रतिनियुक्ति व्यक्ति प्रोप्तित हारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पाल नहीं होंगे।

(प्रतिनियुक्ति की प्रविष्ठ , जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी प्रत्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी प्रत्य काइर बाह्य पत्र पर प्रतिनियुक्ति की श्रविष्ठ है, साधारणतया 3 (तीन) वर्ष से धांधक नहीं होंगी। (प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण) जिसके अन्तर्गत अस्पकालिक संविदा भी है/स्थानांतरण बारा नियुक्त के लिए सिधकतम झायुसीमा प्रावेदन प्राप्त होंने की अंतिम तारीक की 56 वर्ष से सिखक नहीं होंगी।)

विभागीय प्रौन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा भाषीग मे परामणें किया जायगा

13

14

समृह 'क' विभागीय प्राप्तति समिति (प्रोप्तति के संबंध में विचार करने के लिए)

- 1. ब्राध्यक्ष/सदस्य, संघ लीक सेवा बायंग्य-- श्रध्यक्ष ।
- 2 संयक्त सचिव (डेरी विकास), पशु पालन और डेरी विभाग--सदस्य।
- महाप्रबंधक, विस्ली दुग्ध योजना—सवस्य ।

समृह 'क' विभागीय प्रोन्नति समिति (पुन्टि के संबंध में विचार करने के लिए):

- मं युक्त सचिव (डेरी विकास)---- अध्यक्ष ।
- महाप्रबंधक, बिल्ली बुग्ध योजमा—सदस्य ।

हिष्यणी: सीघे प्रतीं किए जाने वाले व्यक्ति की पुष्टि से सर्वाधित विभागीय प्रोप्नति समिति की कार्यवाहिया, संघ लोक सेवा घायोग के अनु-मोदनार्थ भेजी जाएंगी। विन्तु, यवि श्रायोग उनका अनुसंदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोप्तति समिति की बैठक संघ लोक सेवा ग्रायोग के मध्यक्ष या किसी सदस्य की भध्यक्षता में किर से होगी। प्रत्येक ध्रवसर पर, संघ लोक सेवा मायोग से परामर्भ करना मावण्यक है।

# MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Animal Husbandry and Dairying)

New Delhi, the 20th July, 1994

G.S.R. 430.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the General Central Services Class I and Class II (Additional) Posts (Delhi Milk Scheme, New Delhi) Recruitment Rules 1964, in so far as they relate to the post of Dairy Engineer (Junior) appearing at Sl. No. 1 of the Schedule annexed to those rules except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Dairy Engineer in the Ministry of Agriculture, Department of Animal Husbandry and Dairying, Delhi Milk Scheme New Delhi, namely:—

- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Mipistry of Agriculture, Department of Animal Husbandry and Dairying, Delhi Milk Scheme, New Delhi Dairy Engineer, Group A' Posts, Recruitment Rules, 1994.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Guzette.
- 2. Number of posts, its classification and scale of pay.— The number of the said posts, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment to the said post, age limit,

qualifications and other matters relating thereto, shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

- 4. Disqualifications-No person-
  - (a) who has entered into or contracted a marriage with any person having a spouse living, or
  - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personel law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 5. Power to relax.—Where the Central Government is of tht opinion that it necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
- 6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations relaxation or age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Exservicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

### **SCHEDULE**

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-selection post	Age limit for direct recruit
1	2	3	4	5	6
Dairy Engineer	1° (1994) *Subject to variation dependent on work-load	General Central Service Group 'A' Gazetted Non-Ministerial	Rs, 3000-100- . 3500-125-4500/-	Selection	Not exceeding 40 years.  (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).**  Note:—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipts of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti district and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, the Andaman and

No

Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules 1972

Educational and other qualifications required for direct recruits

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees

Period of probation, if any

7

### Essential:

- (i) Degree in Mechanical/Fleetrical/Refrigeration/Instrumentation Engineering or Electronic Engineering from a recognised University or equivalent.
- (ii) Five years experience in Mechanical or Electrical or Electronic Engineering in a large organisation/workshop of repute.

Note:-1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.

Note: -2. The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commisgion in the case of candidate belonging to scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from the communities possessing the 1equisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

### Desirable:

Specialised training and experience in Dairy Engineering creation, maintenance and repair of Dairy Plant and machinery ining refrigeration.

Age: No

Educational Qualification: Yes.

However, these will not apply to the promotce officers working in the department on the date of commencement of these rules who must possess a diploma in Mechanical/Electrical/Refrigeration/Instrumentation or Electronic Engineering from a recognised Institute equivalent.

2 years

10

Method of recruitment Whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods

In case of recruitment by promotion/ deputation/transfer, grades from which exists, what is its composition promotion/deputation/transfer to be made

If Departmental Promotion Committee

Circumstances in which the Union, Public Service Commission is to be consulted in making recruitment

### By promotion failing which Promotion:

by transfer on deputation (including shortterm contract) and failing both by direct recruitment.

Assistant Engineer (Dairy) and Assistant Engineer (Electronics) with 8 years regular service in the grade.

NOTE:- The Eligibility list for promotion shall be prepared with reference to the date of completion by the officers of the prescribed qualifying service in the respective grade posts.

Transfer on Deputation (including short-term contract)

Officers under the Central/State Government University/Recognised Research 1. Joint Secretary Institutions/Public Sector Undertakings/Semi-Government/Autonomous 2. General Manager, or Statutory Organisations;

### Group 'A' Departmental Promotion Committee:

(for considering promotion)

- 1. Chairman/Member, Union Public Service Commission—Chairman.
- 2. Joint Secretary (Dairy Development), Department of Animal Husbandry and Dairying-Member.
- 3. General Manager Delhi Milk Scheme - Member

Group 'A' Departmental Promotion Committee

- (for considering confirmation).
- (Dairy Development).—Chairman.
- Delhi Milk Scheme-Member.

Consultation with the Union Public Service Commission necessary on each occasion.

14

1.7

- (a) (i) holding analogous posts on regular basis; or
  - (ii) with 5 years regular service in posts in the scale of Rs. 2200-4000; or equivalent; or
  - (iii) with 8 years regular service in posts in the scale of Rs, 2000-3500; or equivalent; and
- (b) possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruits under Col. 8. The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion shall not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. (Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not to exceed 3 (three) years. The maximum age limit for appointment by transfer on deputation (including short-term contract transfor shall be, not exceeding 56 years, as on the closing date of receipt of applications.)

NOTE:—The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.

[File No. 3—25/92—LD. I]
• L.C. MAHRRA, Under Secy.

# इन्बिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

नई दिल्ली, 15 ज्लाई, 1994

सा.का.नि. 431—इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्व-विद्यालय के अधिनियम 1985 (1985 का 50) की धारा 27 में निहित मक्तियों का प्रयोग करते हुए और दीक्षांत समारोह संबंधी अध्यादेश के खंड 8 के अनुसार मौक्षणिक परिषद् जी.एस.आर. सं. 330 के श्रन्तर्गत 6 मई, 1989 के भारत के राजपत्र में अधिमूचित विश्वविद्यालय मृख्यालय के दीक्षांत समारोह के विनियमों के खंड 13 और खंड 14 में संशोधन करती है, जो श्रब से निम्नलिखित रूप में पढ़ा जाएगा:—

- (13) तब कुलपित महोदय कहेंगे, ''विश्वविद्यालय के पदक/ उपाधियां/डिप्लोमा प्रदान किए जाने के लिए प्रत्याभियों को प्रस्तुत किया जाए।''
- (14) विश्वविद्यालय के पदक/उपाधियां/डिप्लोमा प्राप्त करने वाले प्रत्याशियों को प्रस्तुत करने के प्रयोजन में नियुक्त व्यक्ति उन्हें निम्नलिबित शब्दों में प्रस्तुत करेगा :

''महो**द**य,

विश्वविद्यालय के पदक/उपाधियां/डिप्लोमा प्राप्त करने वाले प्रत्याशी जिस समय प्रस्तुत किए जा रहे हों श्रपने-प्रपने स्थानों पर खड़े होंगे तथा तब तक खड़े रहेंगे, जब तक कुलपति महोदय उन्हें उनके विश्वविद्यालय के पदक/उपाधियां/ डिप्लोमा प्रदान न कर दें।

संशोधित विनियम, प्रबन्ध बोर्ड द्वारा स्वीकृति प्रदान की जाने का िथि अर्थात् 30-5-94 से प्रभावी होगा।

> [सं. श्राई.जी./एडमिन (जी) रेग् 1/89] के. श्रन्जनश्रप्या, कुलमचिव

# INDIRA GANDHI NATIONAL OPEN UNIVERSITY New Delhi, the 15th July, 1994

1392

G.S.R. 431.—In exercise of the powers vested with it, under Section 27 of the IGNOU Act, 1985 (50 of 1985) and in accordance with Clause 8 of the Ordinance on Convocations, the Academic Council hereby makes the amendments to the Clauses 13 and 14 in the Regulations for Convocations at Head, nuarters, notified under GSR No. 330, in the Gazette of India dated May 6, 1989, which shall, henceforth, be read as follows:—

- 13. The Vice-Chancellor will then say: "Let the candidates for the award of University Medals, Degrees/Diplomas be presented".
- 14. The person appointed for the purpose of presenting the candidates for University Medals, Degree/Diplomas shall present them in the following words:

'Sir, I present to you \_\_\_\_\_ students, whose names are given in the list, who have successfully

completed the programme and have been found qualified for the award of the University Medal. Degree/Diploma in \_\_\_\_\_\_\_. I request that the University Medal, Degree, Diploma to awarded to them."

The candidates receiving the University Medals, Degrees/ Diploma shall stand in their seats while they are being presented and remain standing until the Vice-Chancellor admits them to the respective University Medals, Degree/Diplomas.

The amended Regulations shall be effective from the date of approval by the Board of Management, i.e., 30 5-3924.

[No. IG/ADMN(G)/REG. 1/89] K. ANJANAPPA, Registrar

### श्रम मंत्रालय

(रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय)

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1994

सा.का.नि. 432.—केन्द्रीय सरकार, शिक्षु श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 52) की धारा 37 की उपधारा (1) द्वारा प्रवन्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय शिक्षुता परिषद्, से परामर्श करने के पश्चात, शिक्षुता नियम, 1991 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, श्रर्थात् :—

- 1. (1) इन नियमों का मंक्षिप्त नाम शिक्षुता (संशोधन) नियम, 1994 है।
  - (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
  - शिक्षुता नियम, 1991 में

- (i) नियम 7 में सम्हनं. 8 शीर्ष के भ्रन्तर्गत मद 3 में, ''घड़ीसाज'' भव्द के स्थान पर ''घड़ी और दीवार घडी मैकेनिक'' भव्द रखे जाएंगे,
- (ii) नियम 3 के उपनियम (i) की श्रमुसूची 1 में, कम संख्यांक 35 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

2 35 घड़ी और दीवार घड़ी शिक्षा की 10+2 पद्धति के मैकेनिक अंतर्गत 10वीं कक्षा परीक्षा उत्तीर्ण या उसके समतुख्य ।

> [सं. डी जी ईटी- 2(1) 93-एपी] गोपाल सिंह, ग्रवर सर्विव

टिप्पण: मूल नियम भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i), तारीख 1-8-92 में सा.का.नि. 356, दिनांक 15 जुलाई, 1992 के द्वारा प्रकाणित किए गए थे।

### MINISTRY OF LABOUR

(Directorate General of Employment & Training)

New Delhi, the 28th July, 1994

- G.S.R. 432.—In exercise of powers conferred by sub-section (i) of Section 37 of the Apprentices Act, 1961 (52 of 1961) and after consulting the Central Apprenticeship Council, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Apprenticeship Rules, 1991, namely:—
  - 1. (1) These rules may be called the Apprenticeship (Amendment) Rules, 1994.
    - (2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.
  - 2. In the Apprenticeship Rules, 1991.
    - (i) In rule 7, under the heading Group No. 8, at item 3, for the words "Watch and Clock Repairer" the words "Mechanic Watch and Clock" shall be substituted.
  - (ii) in Schedule 1 to sub-rule (i) of rule 3, for serial number 35 and entries relating there to the following shall be substituted, namely:—

1 2 3 4

35 Mechanic Watch and Clock. Passed 10th class examination under 10+2 system of education

Passed 10th class examination under 10+2 system of education or its equivalent.

[No. DGET-2 (1)/93-AP]

GOPAL SINGH, Under Secy.

Note: The Principal rules were published in the Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (i) dated 1-8-92 vide G.S.R. 5 dated the 15th July, 1992.